हरिभूमि
रायपुर भूमि

तीसरी बार आगजनी की घटना

आसपास के रहवासियों के अनुसार फैक्ट्री में तीसरी बार आगजनी की घटना हुई है। इसके पूर्व दो बार टार फैक्ट्री आग की चपेट में आ चुका है। आग से कितना का नुकसान हुआ है, इस बात की अब तक जानकारी नहीं मिल पाई है। आग के पूरी तरह से बुझने के बाद ही नुकसान का सही अंदाजा लग सकता है। पुलिस तथा फायर ब्रिगेड की टीम आग लगने के कारणों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

आग पर काबू पाने फायर ब्रिगेड, अडानी, शारडा एनर्जी, भिलाई से दमकल की गाड़ियां पहुंचीं

टार फैक्ट्री में लगी आग से उठ रही लपटें तथा विस्फोट से आसपास के फैक्ट्री संचालक दहशत में रहे। आसपास के फैक्ट्री संचालक सात घंटे तक दहशत के साये में रहे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

फैक्ट्री में जिस स्तर का धमाका हो रहा था, उससे ऐसा लग रहा था, फैक्ट्री से निकली चिंगारी अन्य फैक्ट्रियों को अपनी चपेट में ले सकती है। आग पर काबू पाने रायपुर, बिरगांव नगर निगम के साथ शारडा एनर्जी, अडाणी के साथ भिलाई से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बुलानी पड़ीं, तब कहीं जाकर देर शाम आग पर काबू पाया जा सका। टार फैक्ट्री में लगी आग से ⏭ शेष पेज 13 पर

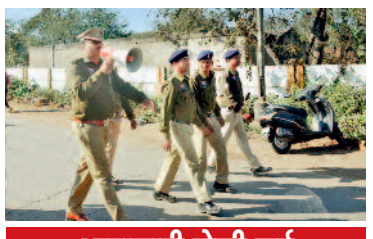

आवाजाही रोकी गई

आग की भयावहता को देखते हुए मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने फैक्ट्री पहुंचने के मार्ग को रस्सी से घेरकर दोनों तरफ सौ-सौ मीटर के दायरे में गाड़ियों की आवाजाही बंद कर दी। आशंका जताई जा रही थी कि ⏭ शेष पेज 13 पर

समय पर कंट्रोल नहीं कर पाने से स्थिति और भयावह होती

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार फैक्ट्री के अंदर सौ से ज्यादा ड्रम तथा बड़े टैंकरों में टार ऑयल स्टोर किया गया था। इसके कारण आग पर काबू पाने फायर ब्रिगेड की टीम को परेशानी का कामना करना पड़ रहा था। फायर ब्रिगेड की टीम एक हिस्से में जहां आग पर काबू पाती, दूसरे छोर पर धमाका होकर आग की लपटें उठने ⏭ शेष पेज 13 पर

पास में ही ऊंचाई पर चल रहा था वेल्डिंग का काम, उसकी चिंगारी से आग लगने की आशंका

खबर संक्षेप

मोडिफाई साइलेंसर, इंक एंड ड्राइव पर पुलिस सख्त

रायपुर। राजधानी में ट्रैफिक नियमों का पालन कराने के साथ ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में ट्रैफिक पुलिस ने पिछले 15 दिनों में 160 बुलेट जिसमें मोडिफाई साइलेंसर लगा था, उन बुलेट मालिकों के खिलाफ ट्रैफिक कार्रवाई की है। इसके साथ ही एक पखवाड़ा के भीतर ट्रैफिक पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वाले 90 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की है। नशेड़ी वाहन चालकों का लाइसेंस निलंबित करने ट्रैफिक पुलिस परिवहन विभाग को पत्र लिखने की तैयारी कर रही है।

शादी समारोह में मारपीट

रायपुर। मंदिर हसौद थाना में एक व्यक्ति ने शादी सामारोह में विवाद होने पर चार लोगों के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। अनुपम वर्मा ने मेहुल वर्मा, मुकेश वर्मा, लल्लू राम वर्मा और कर्णदीप के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। मनहरण ने पुलिस को बताया है कि तोड़गांव में शादी समारोह में बाराती आपस में विवाद कर रहे थे। इस दौरान मनहरण विवाद शांत कराने पहुंचा, तो मेहुल तथा उसके अन्य साथी ने मनहरण तथा एक अन्य के साथ मारपीट की।

मरना भी महंगा, गोकाष्ठ-कंडा और लकड़ी की कीमत डेढ़ गुना बढ़ी

65 प्रतिशत घटा गोकाष्ठ कंडा का उत्पादन

महिला स्वसहायता समूहों के माध्यम से गोकाष्ठ और कंडा का उत्पादन किया जाता था। दाह संस्कार, होलिका दहन, हवन आदि जैसे कार्यक्रम में लकड़ी के उपयोग होता था। यह योजना एक प्रकार से पारंपारिक लकड़ी का सस्ता ईको फ्रेंडली विकल्प के रूप में लाई गई थी। इससे पेड़ तो बचते हैं, साथ ही प्रदूषण भी कम होता है। फिलहाल इनका उत्पादन कम हो रहा है। उसकी वजह से कंडा और गोकाष्ट की कीमत बढ़ी है।

गोकाष्ठ से दाह संस्कार में 5100 खर्च लकड़ी से 5800

गोकाष्ठ से अगर दाह संस्कार किया जाता है, तो इसमें पूरी सेवा के साथ होने वाली खर्च की राशि 5100 रुपए है, वहीं लकड़ी से दाह संस्कार में कुल खर्च 5800 से 6000 रुपए तक आता है। इसमें लगभग 4 हजार रुपए की लकड़ी, 2 सौ रुपए कंडा एवं लगभग 6 सौ से 1 हजार रुपए तक राल आदि का खर्च शामिल है। इस तरह लगभग 58 सौ से 6 हजार रुपए तक दाह संस्कार में खर्च आता है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आज के इस दौर में इंसान का जिंदा रहना जितना महंगा है, उतना ही महंगा अब मरना भी हो गया है। मरने के बाद दाह संस्कार में इस्तेमाल किया जाने वाला गोकाष्ठ और कंडा दोनों की कीमत पिछले तीन साल में डेढ़ गुना तक बढ़ गई है, जिसके कारण दाह संस्कार का खर्च भी डेढ़ गुना तक बढ़ा है। तीन साल पहले गोकाष्ठ से दाह संस्कार कराने में 3100 रुपए ही खर्च करना पड़ता था। यह राशि बढ़कर अब 5100 रुपए तक पहुंच गई है। इसके अलावा दीगर खर्च भी कई गुना बढ़ गए हैं।

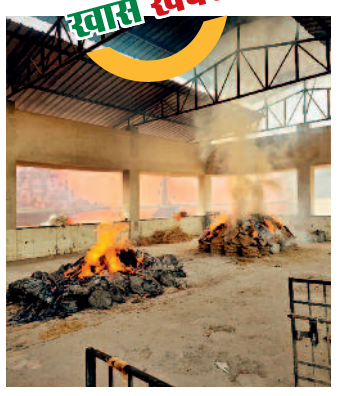

खास खबर

लकड़ी की तुलना में गोकाष्ठ-कंडा सस्ता एवं प्रदूषण रहित

लकड़ी की तुलना में गोकाष्ठ और कंडा दोनों काफी सस्ता है। गोकुलनगर में संचालित अग्रवाल सेवा गोधाम के संचालक रितेश अग्रवाल ने बताया कि लकड़ी की तुलना में गोकाष्ठ सस्ता है, साथ ही जलाने में 65 प्रतिशत कार्बन कम छोड़ता है। विशेषज्ञों के रिसर्च में इसका दावा भी किया गया है।

नए मुख्य द्वार के समीप बनाया जाएगा, पुरानी कैंटीन भी संचालित होगी

मेडिकल कालेज में खुलेगी नई कैंटीन, रात में भी मिलेगा खाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शासकीय मेडिकल कालेज में पढ़ाई करने वाले छात्र एवं चिकित्सा शिक्षकों की सुविधा के लिए नई कैंटीन खोलने की तैयारी है। कालेज परिसर के नए प्रवेश द्वार के समीप इसके लिए स्थान का चिन्हाकंन किया गया है। नई कैंटीन चौबीस घंटे और सातों दिन संचालित होगी, जिससे आने वाले लोगों को वहां रात में भी खाने-पीने का सामान मिल पाएगा। इस कैंटीन के साथ पुराने कोविड वार्ड के बगल में पुरानी कैंटीन का संचालन होता रहेगा।

सूत्रों के अनुसार वर्तमान में संचालित होने वाली कैंटीन में खान-पान की सुविधा रात में नहीं मिल पाती। ऐसे में अस्पताल में काम करने वाले डाक्टर अन्य चिकित्सकीय स्टाफ के साथ मरीज के अटेंडरों को रात्रि में खाने-पीने के सामान के लिए भटकना पड़ता है। इसे ध्यान में रखते हुए मेडिकल कालेज प्रबंधन वहां चौबीस घंटे और सातों दिन संचालित होने वाली कैंटीन खोलने जा रहा है। नए प्रवेश द्वार के समीप कैंटीन संचालित करने के लिए करीब 25 लाख में ठेका दिया गया है। सूत्रों का कहना है कि कैंटीन खुलने के बाद अस्पताल आने वालों के लिए रात में खाने-पीने की परेशानी पूरी तरह दूर हो जाएगी। वैसे तो मेडिकल कालेज में मेस की सुविधा है, साथ ही आंबेडकर अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों के लिए खाने-पीने का इंतजाम है, मगर डाक्टर सहित अन्य स्टाफ और ⏭ शेष पेज 13 पर

शुरू होने से पहले आपत्ति भी

सूत्रों के अनुसार कैंटीन शुरू करने के लिए कालेज प्रबंधन द्वारा आम ठेकेदार तय करने का काम पूरा कर लिया गया था। इस बीच मामले में विवाद जैसी स्थिति निर्मित होने लगी है। कुछ लोगों द्वारा कैंटीन गुपचुप तरीके से खोलने की कोशिश पर आपत्ति की गई है। उनकी ओर से तर्क दिया गया है कि कैंटीन के संचालन के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी नहीं की गई है और गुपचुप तरीके से यह काम एक संस्था विशेष के लिए किया गया है। अस्पताल प्रबंधन से जुड़े लोगों का कहना है कि आपत्ति के निराकरण के बाद कैंटीन की शुरुआत की जाएगी।

डीके अस्पताल में भी नहीं

आंबेडकर अस्पताल की तरह डीके अस्पताल में भर्ती मरीजों के अटेंटरों के लिए खाने-पीने का इंतजाम नहीं है। अस्पताल शुरू होने के दौरान इसकी व्यवस्था की गई थी। बाद में कैंटीन एवं जूस कार्नर विवाद में आने के कारण उसे बंद कर दिया गया है। तब से लेकर अब तक वहां अटेंडरों के लिए खाने-पीने का कोई इंतजाम नहीं है। कैंटीन वाले पुराने भवन को रिनोवेट कर वहां मरीजों को भर्ती करने वार्ड बनाने की तैयारी है।

सरकारी गाड़ियों में एचएसआरपी नंबर प्लेट नहीं, तर्क... इनकी चोरी नहीं होती

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर में हजारों की संख्या में सरकारी गाड़ियां अब तक नहीं लग पाई है एचएसआरपी

हरिभूमि सरोकार

सुप्रीम कोर्ट के आदेश अनुसार अप्रैल 2019 से पूर्व सभी गाड़ियों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लगवाना अनिवार्य है। एचएसआरपी निजी के साथ शासकीय गाड़ियों पर लगाना अनिवार्य है। सरकारी गाड़ियों को किसी तरह की रियायत नहीं दी गई है। यह नियम निजी वाहन मालिकों के लिए भी है और सरकारी गाड़ियों के लिए। अप्रैल 2019 के पूर्व जिन लोगों के पास गाड़ियां हैं उनमें आधे से ज्यादा लोगों ने अपनी गाड़ियों में एचएसआरपी प्लेट नहीं लगवाई है। पुलिस के साथ चिकित्सा, सामान्य प्रशासन, नगर निगम सहित कई ऐसे विभाग की गाड़ियां हैं जिनमें एचएसआरपी प्लेट नहीं लगी है।

उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर ट्रैफिक पुलिस ने अप्रैल 2019 के पूर्व जिन गाड़ियों में अब तक एचएसआरपी नहीं लगी है, ऐसे वाहन को रोक कर परिवहन विभाग की मदद से मौके पर ही एचएसआपी फार्म भरवाने की प्रक्रिया पूरी करने बयान जारी किया है। जो वाहन मालिक अपनी गाड़ियों में एचएसआरपी प्लेट नहीं लगवाएंगे ⏭ शेष पेज 13 पर

नियम सरकारी वाहनों के लिए नहीं?

सड़कों पर सैकड़ों सरकारी वाहन ऐसे चल रहे हैं जिनमें एचएसआरपी प्लेट नहीं लगी है। ट्रैफिक डीसीपी विकास कुमार का कहना है कि आमतौर पर सरकारी गाड़ियां चोरी नहीं होती, इसलिए एचएसआरपी लगाने का दबाव नहीं है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट के अनुसार यह नियम सभी के लिए है।

सरकारी गाड़ियों के लिए अनिवार्य होने के मुख्य बिंदु

- सुप्रीम कोर्ट और भारत सरकार के निर्देशों के तहत, कोई भी सरकारी विभाग (चाहे वह राज्य सरकार का हो या केंद्र का) इस नियम से बाहर नहीं है।
- सरकारी वाहनों के फिटनेस सर्टिफिकेट का नवीनीकरण या अन्य आरटीओ संबंधित कार्य अब तभी पूरे होते हैं जब गाड़ी पर एचएसआरपी लगी हो।
- सरकारी वाहनों के दुरुपयोग को रोकने और चोरी की स्थिति में ट्रैकिंग आसान बनाने के लिए यह प्लेट बहुत जरूरी है। बगैर एचएसआरपी वाली सरकारी गाड़ियों पर भी ट्रैफिक पुलिस चालान काट सकती है। ⏭ शेष पेज 13 पर

एचएसआरपी लगाने यह है नियम

नियमों के मुताबिक, कानून सभी के लिए समान है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के आदेशानुसार, 1 अप्रैल 2019 से पहले के सभी वाहनों (चाहे वे निजी हों या सरकारी) पर एचएसआरपी लगाना अनिवार्य है। 2019 के बाद पंजीकृत होने वाले नए वाहनों में यह प्लेट शोरूम से ही लगकर आती है।

कार टकराने के विवाद पर किया दुर्व्यवहार

शोएब का और एक वीडियो वायरल, बुजुर्ग से गाली-गलौज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शराब घोटाला मामले में फंसे अनवर ढेबर के पुत्र शोएब ढेबर का एक और वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ है, जिसमें वह एक बुजुर्ग व्यक्ति से गाली-गलौज कर रहा है। यह वीडियो एक दिन पुराना राम मंदिर के पास मुख्य मार्ग का है। तेलीबांधा थाना प्रभारी ने बताया कि शोएब की कार, बुजुर्ग व्यक्ति की कार से ⏭ शेष पेज 13 पर

गुंडागर्दी के कई मामले

इस वीडियो के बाद जरूर मामले में समझौता होने की बात पुलिस कह रही है, लेकिन इस वीडियो ने एक बार फिर शोएब की गुंडागर्दी को उजागर कर दिया है। शोएब के विरुद्ध इससे पहले भी कई मामले सामने आ चुके हैं, जिसमें थाने में एफआईआर भी हो चुकी है। शोएब ढेबर पर मारपीट करने का आरोप था, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार भी किया था। इसके अलावा शोएब बिना अनुमति के सेंट्रल ⏭ शेष पेज 13 पर

नगर निगम जोन 8 के वीर सावरकर वार्ड का मामला

20 बड़े टैक्स बकायादारों के परिसर को निगम ने किया सील

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर निगम जोन 8 के राजस्व अमले ने शनिवार को वीर सावरकर नगर वार्ड में अंतिम नोटिस के बाद भी बकाया कर जमा नहीं करने वालों के 20 व्यावसायिक परिसर को सील कर दिया। बड़े बकायादारों के खिलाफ नगर निगम के दस जोन में बकाया राजस्व कर वसूली के लिए विशेष अभियान इन दिनों चलाया जा रहा है।

नगर निगम जोन 8 कमिश्नर राजेश्वरी पटेल एवं सहायक राजस्व अधिकारी महादेव रक्सेल ने बताया

कि जोन 8 के वीर सावरकर नगर वार्ड के 5 लाख से अधिक रुपए के बड़े बकायादार प्रीतम सिंह जीत सिंग, 2,24,509 रुपए के बड़े बकायादार अशोक कुमार, विजय कुमार विनोद कुमार नवानी, 4,49,614 रुपए के बकायेदार हरवंश सिंग, महेन्द्र सिंग, सुरजीत कौर सहित अन्य, 1,82,710 रुपए बड़े बकायेदार राहुल धारीवाल, 1,40,257 रुपए के बकायेदार आदिल खान, 4,38,529 रुपए के बकायेदार प्रमोद अग्रवाल, 1,33,053 रुपए के बकायेदार ओमप्रकाश तिवारी, 1,16,741 रुपए के बकायेदार सुरेन्द्र सिंग गुरविन्दर सिंग, 2,19,394 रुपए के बकायेदार राजेश चंद्राकर, 85,005 रुपए के बकायेदार लीलावती देवी सिंग, 56,630 रुपए के बकायेदार अमरजीत सिंग2,01,589 रुपए के बकायेदार नीलम मिश्रा, 94,275 रुपए के बकायेदार संजय कुमार सुमन, ⏭ शेष पेज 13 पर

फाइनेंस एप से चौपाटी में दुकान लगाने वालों से की चार लाख की ठगी

दोस्ती की आड़ में डिजिटल डकैती, आरोपी मध्यप्रदेश से गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- पिता फाइनेंस का काम करता है इसलिए आरोपी एप से भली तरह से परिचित
- डोरमेट्री में ठहरकर ठेले वालों एवं छोटे व्यापारियों से मेलजोल बढ़ा कर ठगी की

मौदहापारा थाना क्षेत्र के एमजी रोड स्थित चौपाटी में ठेला लगाकर व्यवसाय करने वाले लोगों से दोस्ती कर फाइनेंस एप से चार लाख की ठगी करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक का पिता पूर्व में फाइनेंस का काम करता था। इसके कारण आरोपी युवक फाइनेंस एप से भली तरह से परिचित था। इसका फायदा उठाते हुए युवक ने लोगों के साथ ठगी की।

मध्यप्रदेश, छिंदवाड़ा निवासी मुदित पाठे उर्फ कृष पवार (19) को पुलिस ने ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक मुदित ने महज 10वीं तक पढ़ाई की है। कोरोना काल में परिस्थिति खराब होने की वजह से मुदित ने पढ़ाई छोड़ दी और फाइनेंस का काम करने रायपुर आया। मुदित ने पुलिस को बताया है कि वह रायपुर के गुढ़ियारी क्षेत्र में पहले किराए से रहा, फिर डोरमेट्री में ठहरकर ठेले वालों एवं छोटे व्यापारियों से धीरे-धीरे मेलजोल बढ़ा कर ठगी की।

विश्वास हासिल कर जानकारी जुटाता था

पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक मुदित विभिन्न ऑनलाइन फाइनेंस, कैशबैक एवं इन्वेस्टमेंट एप्स से बेस्ट कैशबैक, प्रोमो कोड एवं रेफरल कोड की जानकारी प्राप्त कर वह शुरू में पीड़ितों को वास्तविक लाभ दिलवाता था, इससे उसने लोगों का विश्वास अर्जित किया। विश्वास जीतने के बाद वह उन लोगों के आधार कार्ड, पैन कार्ड, मोबाइल फोन एवं अन्य व्यक्तिगत दस्तावेजों की जानकारी जुटाता था। प्रारंभिक चरण में वह लोन प्रक्रिया में सहायता कर प्रोसेसिंग फीस माफ होने जैसे लाभ दिलवाने की बात कर पीड़ितों की आवश्यकता में मदद करता रहा, जिससे पीड़ितों को किसी प्रकार का संदेह न हो।

ठगी के पैसों से मोबाइल दुकान खोलना चाहता था

मुदित ने पुलिस को बताया है कि वह विभिन्न फाइनेंस एप्लिकेशनों के माध्यम से पीड़ितों के नाम पर प्री-अप्रूव्ड लोन स्वीकृत कराया तथा प्राप्त राशि को अपने ऑनलाइन वॉलेट एवं अन्य खातों में चैनलाइज किया। मुदित के अनुसार उसका पिता पूर्व में इंश्योरेंस क्षेत्र में कार्यरत था तथा कोरोना काल के बाद आर्थिक रूप से मुदित का पिता आर्थिक रूप से कमजोर हो गया। इसके बाद मुदित ने पढ़ाई छोड़ दी और ऑनलाइन एप्स व पोर्टल के माध्यम से फाइनेंस एवं निवेश से संबंधित जानकारी हासिल की। मुदित ठगी के पैसों से छिंदवाड़ा में मोबाइल दुकान खोलना चाहता था।

असम चुनाव में छत्तीसगढ़ के नेताओं पर दांव, भूपेश-साव को दी गई अहम जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज: ▶▶| रायपुर

चाय बगानों में काम करने वाले छत्तीसगढ़ मूल के मतदाताओं पर फोकस

अप्रैल में होने वाले असम विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा और कांग्रेस ने रणनीति बनानी शुरू कर दी है। कांग्रेस ने पूर्व सीएम और कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल को सीनियर आब्जर्वर बनाया है।

वहीं भाजपा ने उप मुख्यमंत्री अरुण साव को यहां की 9 विधानसभा सीटों की जिम्मेदारी दी है। चाय बगानों में काम करने वाले छत्तीसगढ़ मूल के मतदाताओं पर दोनों पार्टियों का फोकस रहेगा। ये मतदाता असम चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भाजपा आलाकमान ने

असम की जिन 9 विधानसभा सीटों की जिम्मेदारी अरुण साव को दी है, वहां छत्तीसगढ़ मूल के मतदाता प्रभावी माने जाते हैं। श्री साव जल्द ही इन इन क्षेत्रों का दौरा कर विधानसभावार सांगठनिक बैठकें करेंगे और स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय मजबूत करेंगे। ओबीसी वर्ग के बड़े चेहरे और रणनीतिकार माने जाने वाले अरुण साव का असम प्रवास चुनाव संपन्न होने तक लगातार बना रहेगा। उनका फोकस प्रशासनिक पकड़ के साथ-साथ संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने पर रहेगा। भाजपा का मानना है कि छत्तीसगढ़ी श्रमिकों और प्रवासी मतदाताओं से सीधा संवाद पार्टी को निर्णायक बढ़त दिला सकता है।

असम दौरा कर जमीनी फीडबैक ले चुके हैं भूपेश

कांग्रेस ने भी असम चुनाव में छत्तीसगढ़ के नेताओं पर भरोसा जताया है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल को पार्टी ने सीनियर आब्जर्वर नियुक्त किया है और वे पहले ही असम दौरे कर जमीनी फीडबैक ले चुके हैं। उनके साथ विकास उपाध्याय को भी अहम जिम्मेदारी दी गई है, जो पिछले पांच सालों से असम कांग्रेस के प्रभारी सचिव हैं। उन्हें इस बार 50 विधानसभा सीटों का प्रभार सौंपा गया है। कांग्रेस ने इसके अलावा चार से पांच अन्य नेताओं को भी पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पार्टी हाईकमान को उम्मीद है कि अनुभवी नेताओं की टीम चुनावी रणनीति को मजबूती देगी।

दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर

बताया जाता है कि असम के चाय बगानों में काम करने वाले लाखों श्रमिक मूल रूप से छत्तीसगढ़ से हैं और अब वे वहां स्थायी रूप से बस चुके हैं। कई विधानसभा सीटों पर यही वर्ग हार-जीत का अंतर तय करता है। भाजपा इसी कारण उप मुख्यमंत्री अरुण साव के जरिए संगठन और प्रशासनिक पकड़ मजबूत करना चाहती है, जबकि कांग्रेस भूपेश बघेल की छत्तीसगढ़ी स्वाभिमान और किसान नेता की छवि को आगे कर रही है। दोनों दल आने वाले दिनों में और मंत्रियों तथा वरिष्ठ नेताओं को असम के चुनावी दौरे में उतार सकते हैं। असम चुनाव में छत्तीसगढ़ के दिग्गजों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है।

खबर संक्षेप

राष्ट्रपति मुर्मू का एयरपोर्ट पर मीनल ने किया स्वागत

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शनिवार को रायपुर पहुंचीं। माना स्थित स्वामी विवेकानंद विमानतल पर शहर की प्रथम नागरिक मीनल चौबे ने उनको बुके देकर राजधानी वासियों की ओर से आत्मीय स्वागत किया।

आज आएंगे केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर

रायपुर। केंद्रीय ऊर्जा और आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर रविवार को राजधानी रायपुर के एक दिवसीय प्रवास पर रहेंगे। अपने इस दौरे के दौरान केन्द्रीय मंत्री विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भाग लेंगे। श्री खट्टर दोपहर एक बजे नया सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस लेंगे। श्री खट्टर राजधानी के होटल बेबीलोन इंटरनेशनल में बजट संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस दौरान वे बजट के प्रमुख पहलुओं और विकास योजनाओं पर चर्चा करेंगे।

मंत्री नेताम कल सहयोग केंद्र में सुनेंगे समस्याएं

रायपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रदेश सरकार के मंत्री लगातार कार्यकर्ताओं एवं आम लोगों से मुलाकात उनके आवेदनों का निराकरण कर रहे हैं। 9 फरवरी को प्रदेश के कृषि मंत्री रामविचार नेताम सहयोग केंद्र में उपस्थित रहेंगे। उनके साथ भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही रहेंगे। 10 फरवरी को कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव सहयोग केंद्र में समस्याएं सुनकर समाधान करेंगे। उनके साथ प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष जी. वेंकटेश्वर राव रहेंगे। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब 11 फरवरी को सहयोग केंद्र में प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष प्रबल प्रताप सिंह जूदेव के साथ उपस्थित रहेंगे।

ग्राम पंचायतों में हर माह की 7 तारीख को होगा रोजगार आवास दिवस कार्यक्रम

रायपुर। जिले के ग्रामीण अंचलों में हर महीने की 7 तारीख को रोजगार एवं आवास दिवस कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को केंद्र और राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाएगी, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इन योजनाओं का लाभ मिल सके। इसी कड़ी में शनिवार को ग्राम पंचायत परसदा, लखोली एवं रसनी में आवास दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में जिला पंचायत रायपुर के सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित आवास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम बाहनाकाड़ी, तहसील मंदिर हसौद स्थित भूमि खसरा क्रं 139 के संबंध में

ग्राम - बाहनाकाड़ी, प.ह.नं. 13, रा.नि.मा. व तहसील मंदिर हसौद, जिला रायपुर स्थित खसरा क्रं 139 रकबा 0.910 हे. भूमि को श्री झाड़ू राम धीवर द्वारा क्रय किया था। यह कि, स्व. श्री झाड़ू राम धीवर कि मृत्यु के पश्चात उक्त संपत्ति में सर्व श्री चंदूलाल धीवर, श्री हिरलाल धीवर, श्री मोतीलाल धीवर सभी पिता स्व. श्री झाड़ू राम धीवर के पुत्र वैधानिक उत्तराधिकारी हैं। लेकिन उक्त वैधानिक उत्तराधिकारियों में से श्री चंदू धीवर एवं श्री हिरलाल धीवर द्वारा उक्त भूमि को आम जनता को गुमराह कर अवैधानिक रूप से विक्रय करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसका कि उन्हें वैधानिक अधिकार नहीं है।

अतः अपने पक्षकार श्री मोतीलाल धीवर, पिता स्व. श्री झाड़ू राम धीवर कि ओर से इस वैधानिक आम सूचना के माध्यम से घोषित करता है कि कोई भी व्यक्ति या संस्था उक्त विवादित संपत्ति को क्रय ना करें, अन्यथा क्रेता उक्त अवैधानिक हस्तांतरण हेतु संस्था जिम्मेदार होगा।

दिनांक - 07/02/2026
रायपुर (छ.ग.)

भवदीय
हर्ष पुजारा (अधिवक्ता)
आदित्य श्रीवास्तव एंड एसोसिएट्स
पता - F00403 कटोरा तलाब, सिविल लाइन्स, रायपुर (छ.ग.)
मो. 7000068300, 8319020108

महापौर ने कहा आदेश नहीं आया, कालोनी हैंडओवर से पहले इस्टीमेट बनाकर देंगे

आरडीए और हाउसिंग बोर्ड कालोनियों के हैंडओवर के लिए नियमावली का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर विकास प्राधिकरण और छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड की शहर में स्थित 9 बड़ी कालोनियों के हैंडओवर लेने में नगर निगम को शासन की नियमावली का इंतजार है। निगम आयुक्त विश्वदीप ने कहा है, कैबिनेट में हाउसिंग बोर्ड और आरडीए की कालोनियों को नगर निगम में हस्तांतरण का निर्णय लिया गया है, इसलिए हमें शासन स्तर पर नियमावली आने का इंतजार है। नियमावली आने के बाद उस नियम को फालो किया जाएगा।

■ आरडीए अध्यक्ष नंद कुमार साहू ने कहा-दोनों विभाग मिलकर करेंगे सर्वे

इससे बड़ी कालोनियों के रखरखाव में आसानी होगी, वहीं कालोनियों के रहवासियों की मूलभूत सुविधा सुनिश्चित होगी। हैंडओवर के बाद नगर निगम संबंधित कालोनियों की सफाई, रोड, स्ट्रीट लाइट और वहां के बगीचों का जिम्मा संभालेगा। प्राधिकरण अध्यक्ष नंदे साहू के मुताबिक कालोनियों को नगर निगम को हैंडओवर करने से नगर निगम को संपत्ति कर, जल कर और सफाई के एवज में यूजर चार्ज मिलेगा। यही नहीं, शासन स्तर पर व्यवस्था बनाने फंड की व्यवस्था होगी। कालोनियों को हैंडओवर करने से पहले नगर निगम और रायपुर विकास प्राधिकरण दोनों के अधिकारी मिलकर संयुक्त सर्वे करेंगे। दरअसल, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ने हाल ही में कैबिनेट में रायपुर विकास प्राधिकरण और छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड की शहर में स्थित 9 बड़ी कालोनियों को नगर निगम को सौंपने का निर्णय लिया है। इससे एक तरफ जहां सालों से इन कालोनियों में रहने वालों लोगों को व्यवस्था सुधरने की उम्मीद जगी है, वहीं रायपुर नगर निगम सालों पुरानी कालोनियों के पुरानी पाइप लाइन, जर्जर सड़क, स्ट्रीट लाइट की समस्या और उद्यानों की देखरेख के लिए निर्धारित संख्या में कर्मचारी नहीं होने से दुविधा की स्थिति में है। रायपुर विकास प्राधिकरण की 1600 एकड़ में विकसित विश्वस्तरीय टाउनशिप माता कौशिल्या विहार, इंद्रप्रस्थ रायपुरा फेस 1, फेस 2 के अलावा प्राधिकरण की पुरानी कालोनियों में डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी आवासीय परिसर हीरापुर, सरोना, बोरियाखुर्द की कालोनी शामिल है जहां आने वाले समय में नगर निगम पर इन कालोनियों के रखरखाव और वित्तीय प्रबंधन करना एक बड़ी चुनौती रहेगी।

ज्यादातर कालोनियों में 15 साल पुरानी पाइप लाइन होने से इसके उपयोग की अवधि समाप्त होने को है। ऐसे में बड़े पैमाने पर पाइप लाइन बदलने की जरूरत है। कई जगह का ड्रेनेज सिस्टम ध्वस्त हो चुका है। कौशिल्या विहार में 150 बगीचे अलग-अलग ब्लाक में विकसित गए हैं जो कि खस्ताहाल हालत में है, इसके अलावा इंद्रप्रस्थ रायपुरा में आरडीए द्वारा विकसित 16 छोटे-बड़े गार्डन की देखरेख व संधारण का जिम्मा नगर निगम को संभालना है इन सबके अलावा सफाई कर्मचारी, पंप आपरेटर, बिजली कर्मचारी, उद्यान चौकीदार, सुरक्षा गार्ड, चौकीदार के लिए अतिरिक्त बजट की जरूरत पड़ेगी ।

मेयर और कमिश्नर का ये है कहना

हाउसिंग बोर्ड और आरडीए की कालोनियां नगर निगम को सौंपी जाएगी कैबिनेट में इसकी घोषणा हुई है। विधिवत रूप से नगर निगम के पास कुछ नहीं आया है। आदेश आने पर हम व्यवस्था के साथ संबंधित कालोनियों को हैंडओवर लेंगे। पर इसके पहले इन कालोनियों रोड, नाली, स्ट्रीट लाइट, सीवरेज सिस्टम का सर्वे कर समीक्षा कर इस्टीमेट बनाके देंगे। साथ ही रायपुर विकास प्राधिकरण और छत्तीसगढ़ गृह निर्माण से इसके लिए फंड मांगेंगे। हमें उम्मीद है कि इस्टीमेट बनाकर व्यवस्था देने के संबंध में शासन का विवेक पूर्वक निर्णय होगा।

-मीनल चौबे, महापौर
नगर निगम रायपुर

राज्य शासन ने केबिनेट में घोषणा की है कि रायपुर विकास प्राधिकरण और छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की चुनी हुई कालोनियों को नगर निगम में हस्तांतरित किया जाएगा। हमें शासन स्तर पर नियमावली का इंतजार है। इस नियम का हम पालन करेंगे। आम जनता की दृष्टि से देखा जाए तो उन्हें एक साथ मूलभूत सुविधाएं मिलने लगेगी। हाउसिंग बोर्ड और आरडीए में सफाई को लेकर मिसमैच हो रहा था यह अब नहीं होगा।

- विश्वदीप, आयुक्त
नगर निगम रायपुर

सर्वे कर समय आने पर करेंगे कालोनियों का हैंडओवर

कैबिनेट की घोषणा के बाद दोनों विभाग के सर्वे के बाद संबंधित कालोनियों के हैंडओवर समय आने पर किया जाएगा। फ्लैट का रखरखाव आरडीए करेगा। सफाई, स्ट्रीट लाइट, नाली , कालोनियों के सड़क का रखरखाव नगर निगम करेगा। इसके एवज में उसे संपतिकर, जलकर के साथ यूजर चार्ज मिलेगा। आरडीए की कालोनियों में जो बगीचे हैं, उसे नगर निगम जल सुविधा के अनुसार विस्तार कर सकेगा। इस कार्य के लए शासन स्तर पर फंड का इंतजाम की उम्मीद है।

- नंदे साहू
अध्यक्ष,
रायपुर विकास प्राधिकरण

दामाखेड़ा अब कबीर धर्म नगर के नाम से जाना जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन ने सिमगा तहसील के ग्राम दामाखेड़ा के नाम परिवर्तन को लेकर आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। राजपत्र में प्रकाशित सूचना के अनुसार अब गांव का नया नाम कबीर धर्म नगर, दामाखेड़ा होगा। राज्य सरकार ने यह निर्णय 4 जून 2025 को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में लिया था। भारत सरकार के गृह मंत्रालय से सहमति मिलने पर नाम परिवर्तन को अंतिम मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री बनने के बाद विष्णुदेव साय दामाखेड़ा पहुंचे थे, जहां विश्व प्रसिद्ध सतगुरु कबीर संत समागम मेला में शामिल होकर उन्होंने दामाखेड़ा का नाम कबीर धर्म नगर, दामाखेड़ा करने की घोषणा की थी। इस दौरान उन्होंने दामाखेड़ा के 10 किलोमीटर दायरे में उद्योग नहीं लगाने का आश्वासन भी दिया।

सेन समाज का परिचय सम्मेलन 10 को

रायपुर। संत सेन धाम कोर कमेटी द्वारा रांवाभाठा स्थित संत सेन धाम में 10 फरवरी को सेन जयंती भवन का लोकार्पण कार्यक्रम होगा। साथ ही युवक-युवती परिचय सम्मेलन और सम्मान समारोह का आयोजन भी किया जाएगा। यह जानकारी छत्तीसगढ़ नाई विकास संस्था के अध्यक्ष विजय कुमार सेन और सतीश सेन ने देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम की तैयारी के लिए सभी सदस्यों को विभागों की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने बताया कि विवाह योग्य युवक-युवती अपना पंजीयन संत सेन धाम कोर कमेटी के सदस्यों के पास अपना आवेदन जमा कर सकते हैं।

चुनाव आयोग सुनिश्चित करे कि फार्म-7 का दुरुपयोग न हो : बैज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, भाजपा एसआईआर प्रक्रिया को प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाकर गड़बड़ियां कर रही है। वर्तमान में चल रही विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) के अंतर्गत मतदाता नाम विलोपन के लिए आवेदन फार्म-7 का कई जिलों में दुरुपयोग किया जा रहा है। यह अत्यंत चिंताजनक है, क्योंकि इससे पात्र एवं वास्तविक मतदाताओं के नाम बिना जानकारी, सहमति के मतदाता सूची से हटाए जाने की साजिश चल रही है। उन्होंने कहा, प्रदेश की भाजपा द्वारा बड़ी संख्या में फार्म-7 का प्रिंट करवाकर आपत्ति करवाई जा रही है। आपत्ति अनाधिकृत लोगों द्वारा की जा रही है और अनाधिकृत अधिकारी को आपत्ति दी जा रही है, जो कानून का खुला उल्लंघन है। भारतीय जनता पार्टी, सरकार की शक्ति का दुरुपयोग कर रही है। अधिकतर में शिकायतकर्ता का अस्तित्व ही नहीं है। जहां शिकायतकर्ता का अस्तित्व है, वहां पर शिकायत झूठी है। निर्वाचन आयोग द्वारा अस्तित्वहीन शिकायतकर्ता के विरुद्ध जाकर जमा की गयी शिकायतों को तत्काल निरस्त करने की कार्यवाही की जाए।

बिना पुख्ता प्रमाण स्वीकार न करें

उन्होंने मांग की है कि बीएलओ एवं निर्वाचन अधिकारियों को स्पष्ट दिशा निर्देश जारी किए जाएं कि बिना पुख्ता प्रमाण के फार्म-7 स्वीकार न करें।

आदिवासियों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने बनाएं रोडमैप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे के मुख्य प्रवक्ता अधिवक्ता भगवानू नायक ने कहा, प्रदेश में नक्सलवाद की समाप्ति को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च की डेड लाइन दी है, जिसमें अब सिर्फ 50 दिन शेष बचे। उन्होंने कहा नक्सलवाद से सबसे अधिक नुकसान छत्तीसगढ़ के मूल निवासी आदिवासियों को हुआ है, और इस संघर्ष की समाप्ति के बाद किसी और के लिए नहीं, बल्कि आदिवासियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देना सरकार का कर्तव्य है। उन्होंने कहा, इसमें दो राय नहीं है कि देश के गृह मंत्री अमित शाह नक्सलवाद उन्मूलन के मुद्दे पर छत्तीसगढ़ का सबसे अधिक दौरा करने वाले देश के पहले गृह मंत्री हैं। उन्होंने कहा, नक्सलवाद के खात्मे के साथ ही आदिवासी समुदायों के जल, जंगल और जमीन पर उनके पारंपरिक अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग की कि आदिवासियों के स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए एक स्पष्ट और प्रभावी रोडमैप बनाया जाए। इसके तहत आदिवासी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्थायी रोजगार के अवसर सृजित किए जाने चाहिए।

पवन साय बंगाल में बना रहे हैं जीत की रणनीति

विधानसभा सीटों की स्थिति के बारे में ले रहे पूरी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

56 विधानसभाओं की मिली है जिम्मेदारी

भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय को बंगाल चुनाव के लिए 56 विधानसभाओं के एक जोन की जिम्मेदारी दी गई है। वे वहां का लगातार दौरा कर रहे हैं। पहले वहां पर एक माह तक रुक कर उन्होंने 35 विधानसभाओं की स्थिति के बारे में पूरी जानकारी लेकर वहां के लिए जीत की रणनीति तैयार की है।

अब फिर से बंगाल जाकर वहां पर डटे हैं और बची विधानसभाओं के लिए भी वे रणनीति बनाने का काम कर रहे हैं। बंगाल में अलग-अलग जोन बनाकर करीब आधा दर्जन राज्यों के संगठन महामंत्रियों को जिम्मेदारी दी गई है। बिहार चुनाव में ऐतिहासिक जीत के बाद अब भाजपा के राष्ट्रीय संगठन का बड़ा फोकस बंगाल चुनाव पर है। इस साल मार्च-अप्रैल में वहां पर चुनाव संभावित है। भाजपा ने बीते साल से ही इसको लेकर तैयारी प्रारंभ कर दी है। वैसे भी भाजपा हमेशा से किसी भी राज्य में चुनाव से काफी पहले तैयारी प्रारंभ कर देती है। बिहार चुनाव में भी भाजपा ने काफी पहले से तैयारी की थी। प्रदेश के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल को वहां पर 50 विधानसभाओं की जिम्मेदारी दी गई थी। श्री जामवाल बिहार में चार माह तक रहे और अपनी जिम्मेदारी वाली विधानसभाओं में लगातार बैठकें लेकर रणनीति बनाने का काम किया। इसका परिणाम यह रहा कि 50 सीटों में से 25 सीटों में भाजपा के प्रत्याशी मैदान में उतारे गए तो इसमें से 23 सीटों में भाजपा के प्रत्याशियों को जीत मिली।

जानकारी लेकर बना रहे रणनीति

भाजपा का राष्ट्रीय संगठन लगातार प्रदेश के नेताओं पर भरोसा कर रहा है। बिहार चुनाव में प्रदेश के जिन भी नेताओं को वहां पर विधानसभाओं की जिम्मेदारी दी गई थी, उन सभी में भाजपा के प्रत्याशी जीते। अब राष्ट्रीय संगठन प्रदेश के नेताओं को बंगाल की भी जिम्मेदारी देगा। पहले चरण में प्रदेश के संगठन महामंत्री पवन साय को वहां पर एक जोन की 56 विधानसभाओं का जिम्मा देकर बीते साल से रणनीति बनाने का काम दिया गया है। श्री साय लगातार बंगाल का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने वहां पर एक माह से ज्यादा समय तक रहकर 35 विधानसभाओं में बैठक करके उनके बारे में पूरी जानकारी ली है। इसी के साथ वहां पर कैसे भाजपा को जीत मिल सकती है, इसको लेकर रणनीति भी बनाई गई है। इस रणनीति के हिसाब से इन विधानसभाओं में काम भी प्रारंभ कर दिया गया है। इसके बाद वे फिर से अब बंगाल के दौरे पर हैं और बची विधानसभाओं के लिए भी रणनीति बना रहे हैं। वे वहां पर चुनाव तक लगातार डटे रहेंगे।

प्रदेश में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की क्षमता बढ़ाने कल से संभागों में प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा राज्य में सुशासन, दक्ष प्रशासन एवं क्षमता आधारित कार्य संस्कृति को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए आई-जीओटी कर्मयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम की संभाग एवं जिला स्तर पर शुरुआत 9 फरवरी से होने जा रही है।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेशानुसार राज्य के सभी संभाग आयुक्त, जिला कलेक्टर तथा उनके अधीनस्थ कार्यालयों में इसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। शासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आधुनिक प्रशासनिक दक्षताओं, डिजिटल गवर्नेंस, व्यवहारिक प्रशासनिक कौशल एवं भूमिका आधारित प्रशिक्षण से सशक्त बनाना इसका उद्देश्य है। सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव अविनाश चंपावत द्वारा प्रदेशव्यापी प्रशिक्षण कार्यक्रम की गंभीरता एवं प्राथमिकता से क्रियान्वयन करने के लिए सभी विभागों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से प्रशिक्षण में सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा, मिशन कर्मयोगी के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए क्षमता निर्माण को शासन की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन एवं समन्वय के लिए अवर सचिव एवं नोडल अधिकारी अंजू सिंह द्वारा संभाग एवं जिला मुख्यालयों में पहुंचकर प्रशिक्षण, मार्गदर्शन एवं समन्वय किया जाएगा।

रायपुर संभाग में कल से प्रशिक्षण

संभाग स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन रायपुर संभाग में 9 फरवरी, बस्तर में 12 फरवरी, बिलासपुर संभाग में 18 फरवरी, दुर्ग संभाग में 24 फरवरी तथा सरगुजा संभाग में 26 फरवरी को किया जाएगा।

पीडब्ल्यूडी द्वारा 13 कार्यों के लिए 299 करोड़ की निविदा को मंजूरी

रायपुर। राज्य में सड़कों और पुलों के निर्माण में तेजी लाने लोक निर्माण विभाग द्वारा 13 कार्यों के लिए 299 करोड़ रुपए की निविदा को मंजूरी दी गई है। वहीं 10 सड़कों के निर्माण के लिए 116 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति भी प्रदान की गई है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने निविदा मंजूरी तथा प्रशासकीय स्वीकृति के आदेश भी जारी कर दिए हैं। उप मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं करने के कड़े निर्देश दिए हैं। सड़कों के नेटवर्क को मजबूत करने तथा छत्तीसगढ़ के विकास को गति देने लोक निर्माण विभाग द्वारा लगातार निर्माण कार्यों एवं निविदाओं को स्वीकृति दी जा रही हैं। कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने अंबिकापुर, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग और जगदलपुर स्थित मुख्य अभियंता कार्यालयों के साथ ही प्रमुख अभियंता कार्यालय द्वारा सीधे मॉनिटरिंग की जाएगी। कार्यों में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के लिए आम नागरिक भी निर्माण के दौरान कार्य के संबंध में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

नवा रायपुर में अफसर-कर्मचारियों के आवास के लिए 71 करोड़

विभाग द्वारा नारायणपुर जिले के पल्ली-छोटेडोंगर-ओरछा मार्ग में किमी 13 से किमी 22 तक 10 किमी लंबाई में तथा किमी 23 से किमी 31 तक 9 किमी लंबाई में सीमेंट-कांक्रीट सड़क व पुलिया मजबूतीकरण के लिए क्रमशः 28 करोड़ 2 लाख रुपए तथा 26 करोड़ रुपए की निविदा को मंजूरी दी गई है। नवा रायपुर के सेक्टर-18 में निर्माणाधीन लोकभवन (राजभवन), लोकभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों के निवास, मुख्यमंत्री निवास, मंत्रियों के निवास एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के निवास के शेष कार्यों, वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग, एकॉस्टिक, पेनेलिंग वर्क एवं विद्युतीकरण कार्यों के लिए 71 करोड़ 23 लाख रुपए तथा सेक्टर-19 में माध्यमिक शिक्षा मंडल कार्यालय भवन के निर्माण कार्य, वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग एवं विद्युतीकरण के लिए 36 करोड़ 30 लाख रुपए की निविदा स्वीकृत की गई है।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

'प्रीत तुम्हारी मधुशाला' का विमोचन आज

रायपुर। सिविल लाइंस स्थित वृंदावन सभागार में 8 फरवरी को कवि राजेश राजेश जैन 'राही' द्वारा लिखित काव्य कृति 'प्रीत तुम्हारी मधुशाला' का विमोचन होने जा रहा है। यह कार्यक्रम शाम 5 बजे प्रारंभ होगा। इस अवसर पर शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं एवं युवा प्रतिभाओं को नवरंग समाज रत्न सम्मान से सम्मानित भी किया जाएगा। मुख्य वक्ता डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' कृति पर अपने बहुमूल्य विचार रखेंगे। कार्यक्रम में राजेश जैन 'राही' द्वारा कृति के छंदों की संगीतबद्ध प्रस्तुति 'प्रणय पथ के नाम से दी जाएगी। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा, रूंगटा स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रख्यात शिक्षाविद डॉ. जवाहर सुरिसेट्टी, आचार्य रंजन मोड़क तथा कवयित्री डॉ. नेहा शुक्ला अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

निधन

नरेश राम पटेल

रायपुर। मांढर क्षेत्र के ग्राम तर्रा निवासी नरेश राम पटेल तिल्दा वाले

गुरुजी (91) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार उनके गृहग्राम तर्रा में 7 फरवरी को किया गया। वे फणींद्र भूषण, चंद्रभूषण पटेल के पिता तथा कमलनारायण, जागेश्वर, कौशल के चाचा थे।

इंद्रा देवी आसुदानी

रायपुर। संत कंवरराम नगर कटोरा तालाब निवासी इंद्रा देवी आसुदानी

का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 7 फरवरी को राजेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे से वा रा म आसुदानी की पत्नी और अभय आसुदानी की माता थीं।

सर्वर ठीक होते ही राशन दुकानों में हितग्राहियों की उमड़ी भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लगातार 5 दिनों तक सर्वर डाउन होने के कारण राशन दुकानों में कार्ड धारकों को चावल का वितरण नहीं हो पाया था, लेकिन शुक्रवार से सर्वर की समस्या दूर हो गई है। इसके बाद से राशन दुकानों में कार्ड धारकों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई है। हालांकि हितग्राहियों की भीड़ के बाद भी कई राशन दुकानों में दो माह का एक साथ चावल वितरण नहीं हो पा रहा है। इसका कारण ऑनलाइन आवंटन है, जिसमें किसी कार्ड धारक का एक माह का, तो किसी धारक का दो माह का चावल शो कर रहा है। इसके कारण कहीं विवाद की स्थिति न बने, इसे देखते हुए दुकान संचालक भी एक माह का ही चावल वितरण कर रहे हैं।

केंद्र से अनुमति नहीं मिलने के कारण बढ़ी परेशानी

विभागीय सूत्रों से पता चला है कि केंद्र से दो माह का चावल वितरण करने की अनुमति नहीं मिल पाई है, जबकि राज्य सरकार ने फरवरी और मार्च का चावल बांटने का आदेश जारी किया हुआ है। ऐसे में ऑनलाइन आवंटन में कार्ड धारकों में केंद्र का चावल एक माह का ही शो कर रहा है, जबकि राज्य का दो माह का चावल शो रहा है। इस कारण से दुकानदार भी असमंजस की स्थिति में फंसे हुए हैं कि वे दो माह का चावल वितरित करें कि नहीं, क्योंकि अगर वे किसी कार्ड धारक को आवंटन के अनुसार दो माह का और किसी धारक को एक माह का चावल वितरित करते हैं, तो इसे लेकर कार्ड धारक भेदभाव का आरोप लगाकर विवाद कर सकते हैं। कई कार्ड धारक इसकी विभाग में शिकायत भी करेंगे। यह सोचकर ज्यादातर दुकानदार एक माह का चावल ही वितरित कर रहे हैं।

दो माह की जगह एक माह का ही मिल रहा चावल

बढ़ सकती है वितरण की तारीख

जिले में एपीएल को छोड़कर अन्य कार्डों की कुल संख्या 5 लाख 20 हजार से अधिक है। दो माह का चावल वितरण करने में जिस तरह से परेशानी आ रही है। उसे देखकर यह संभावना बनी हुई है कि जिले के शतप्रतिशत कार्ड धारकों को दो माह का चावल बांट पाना मुश्किल है। ऐसे में छुटे हुए हितग्राहियों को चावल बांटने के लिए वितरण की तारीख भी बढ़ानी होगी। वर्तमान में दो माह का चावल बांटने के लिए अंतिम तारीख 28 फरवरी तय की गई है। यह तारीख मार्च तक बढ़ने की संभावना है।

अभनपुर-नया रायपुर क्षेत्र में जमकर हो रहा अवैध उत्खनन

पुराना खत्म, नया अनुबंध विभाग कर नहीं रहा इसलिए धड़ल्ले से जारी मुरुम का अवैध उत्खनन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले में इन दिनों मुरुम की दर्जनों खदानों में जमकर अवैध उत्खनन किया जा रहा है। ये सभी वही खदानें हैं, जिसका अनुबंध खत्म हो चुका है। इन खदानों से होने वाले उत्खनन के बदले पहले विभाग को रायल्टी के रूप में राजस्व की प्राप्ति होती थी, लेकिन अनुबंध अवधि खत्म होने के बाद इन खदानों के संचालक बिना अनुबंध के ही दिन-रात मुरुम निकलवा कर उसका परिवहन करा रहे हैं। इससे शासन को भी हर रोज लाखों रुपए की रायल्टी (राजस्व) का नुकसान हो रहा है। हालांकि इस नुकसान का एक कारण अनुबंध का न होना भी है। खनिज विभाग ने अनुबंध खत्म होने के बाद कई खदानों में उत्खनन के लिए अनुबंध ही नहीं किया है, जिसका फायदा इन खदानों के पूर्व संचालक या मुरुम माफिया उठा रहे हैं।

जिले के अभनपुर और नवा रायपुर क्षेत्र के कई स्थानों पर मुरुम का जमकर अवैध उत्खनन हो रहा है। अभनपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बेलभाठा और उरला क्षेत्र में जमकर मुरुम का अवैध उत्खनन हो रहा है। इन गांव में रहने वाले स्थानीय लोगों ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि दिन ढलने के बाद अंधेरा होते ही उनके क्षेत्र में मुरुम उत्खनन का काम शुरू हो जाता है। ट्रेक्टर एवं हाईवा की गाड़ियों का लगातार आना-जाना लगा रहता है।

नवा रायपुर क्षेत्र से लगे ग्राम तोरला, पचेड़ा, तुलसी सहित अन्य ग्रामों में भी अवैध रूप से मुरुम खुदाई की जानकारी मिली है। इन ग्रामों में भी दिन की तुलना में रात के समय में मुरुम की खुदाई कराई जा रही है। सूत्रों से जानकारी मिली है कि जिले में जितनी मुरुम की खदानों को अनुबंध पर दिया गया था, उनमें से लगभग 30 से 40 प्रतिशत खदानों का अनुबंध खत्म हो चुका है। हालांकि खनिज विभाग से अभी तक जिले में कितनी खदानों का अनुबंध समाप्त हो चुका है। इसकी जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है।

चेक करके बताऊंगा

कितनी मुरुम खदानों का अनुबंध समाप्त हो गया है, और कितनी खदानों के लिए कितने आवेदन आ चुके हैं, इसकी जानकारी चेक कर बता पाऊंगा।

- **उमेश भार्गव,** जिला सहायक खनिज अधिकारी रायपुर

अनुबंध के लिए दफ्तर के चक्कर काट रहे लोग

जिन मुरुम खदानों का अनुबंध खत्म हो चुका हैं। उन खदानों को ठेके पर लेने के लिए लोग कलेक्टोरेट स्थित खनिज विभाग कार्यालय के लगातार चक्कर काट रहे हैं। इन लोगों में पूर्व ठेकेदारों के अलावा गांव के उप सरपंच से लेकर पूर्व सरपंच भी है। ये लोग सुबह से दोपहर बाद तक मुरुम खदान का ठेका पाने के लिए कार्यालय में डेरा डाले रहते हैं।

अनुबंध नहीं किए जाने के कारण हो रहा अवैध उत्खनन

एक उपसरपंच ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि विभाग को मुरुम खदान का ठेका लेने के लिए आवेदन किए तीन माह से अधिक समय हो चुका है, लेकिन अब तक न ही उन्हें ठेका मिल पाया है और न ही अन्य किसी को दिया है। उन्होंने बताया कि ऐसे कई खदानें हैं जिसके लिए ढेरों आवेदन आ चुके हैं, लेकिन विभाग ने सभी आवेदनों को लंबित कर रखा है। अनुबंध नहीं होने के कारण कई लोग अब अवैध रूप से उत्खनन करा रहे हैं।

बैरनबाजार में चाकूबाजी हिस्ट्रीशीटर सहित मददगार गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कोतवाली थाना क्षेत्र के बैरनबाजार में शुक्रवार को हुई चाकूबाजी की घटना में पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर तथा उसको प्रश्रय देने वाले साथियों को महज 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। हिस्ट्रीशीटर क्षेत्र में दहशत फैलाने के उद्देश्य से सरे राह चाकूबाजी कर मौके से फरार हो गया था, जिसे पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने फरारी में इस्तेमाल बाइक को भी जब्त किया है।

- **पुलिस ने बदमाश को प्रश्रय देने के आरोप में तीन को किया गिरफ्तार**

आदिल इनायत की शिकायत पर पुलिस ने हरा सोनू उर्फ मोहम्मद आदिल रजा को गिरफ्तार किया है। हरा सोनू ने घटना दिनांक को बैरनबाजार, फौवारा चौक के पास आदिल के कान तथा गले में चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। घटना के बाद हरा सोनू अपने साथी अदनान खान, सागर नगरारे, उबैद रजा उर्फ इल्ला की मदद से फरार हो गया था। पुलिस ने उन तीनों बदमाशों को भी हरा सोनू की मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के बढ़ते दबाव को देख हरा सोनू शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। इस दौरान पुलिस को हरा सोनू के शहर छोड़कर फरार होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने हरा सोनू का लोकेशन ट्रैप कर उसे गिरफ्तार किया।

बिजनेस साइट

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने एमएसएमई ऋण आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन

रायपुर। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा देशभर में एमएसएमई ऋण आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी क्रम में रायपुर में छत्तीसगढ़ चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के सभागार में एक सफल कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उद्यमियों को बैंक के एमएसएमई ऋण के नए उत्पादों की जानकारी देना तथा पात्र उद्यमियों को ऋण सुविधा उपलब्ध कराना था। इस कार्यक्रम में लगभग 60 एमएसएमई उद्यमियों ने सक्रिय सहभागिता की। उपस्थित उद्यमियों को एमएसएमई उत्पादों की विस्तृत जानकारी दी गई तथा उनकी समस्याओं और सुझावों पर फीडबैक लेकर बैंक की प्रक्रियाओं में यथासंभव सुधार का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुम्बई मुख्यालय से पधारे सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के महाप्रबंधक पी. महादेवन रहे। रायपुर अंचल में आयोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 45 हितग्राहियों को लगभग 193 करोड़ रुपए के एमएसएमई ऋणों की स्वीकृति प्रदान की गई।

इंडियन बैंक ने आयोजित किया साइबर धोखाधड़ी जागरूकता कार्यक्रम

रायपुर। इंडियन बैंक द्वारा शनिवार को साइबर धोखाधड़ी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम रायपुर स्थित शाखाओं के वरिष्ठ नागरिक ग्राहकों सहित अन्य ग्राहकों के लिए आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में साइबर सेल रायपुर से चिंतामणि साहू एवं गणेश सिंह मरावी ने संभावित साइबर धोखाधड़ियों की जानकारी दी। उन्होंने अपरिचित कॉल, ओटीपी, डेबिट/क्रेडिट कार्ड पिन साझा करने, फर्जी लिंक और डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों से होने वाली वित्तीय हानि से सतर्क रहने की अपील की। उप अंचल प्रबंधक अमित गौरव ने बताया कि बैंक कभी भी ओटीपी या पिन की मांग नहीं करता, इसलिए ऐसे कॉल या संदेशों को नजरअंदाज करें। अंचल प्रबंधक रूपेश अग्रवाल ने डिजिटल हाइजीन पर जोर देते हुए सार्वजनिक वाई-फाई और अनजान चार्जिंग प्वाइंट से बचने की सलाह दी। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक निपुण जैन ने किया।

केनरा बैंक सेजबहार शाखा का मेगा हेल्थ कैंप संपन्न

रायपुर। केनरा बैंक की सेजबहार शाखा द्वारा अपनी सीएसआर पहल के अंतर्गत एक मेगा हेल्थ कैंप का सफल आयोजन किया गया। यह स्वास्थ्य शिविर डॉ. माइक्रो लैब एंड रिसर्च सेंटर के सहयोग से आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य आम नागरिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना था। इस अवसर पर बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक एस.के. शुक्ला एवं मंडल प्रबंधक राहुल वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। शिविर में नेत्र जाँच, दंत चिकित्सा जाँच, रक्तचाप तथा ब्लड शुगर जैसी आवश्यक स्वास्थ्य जाँच सुविधाएँ प्रदान की गईं। शिविर को स्थानीय नागरिकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली और 200 से अधिक लोगों ने निःशुल्क चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया।

मैट्स विश्वविद्यालय में साइबर पीस यात्रा कार्यक्रम

रायपुर। मैट्स विश्वविद्यालय में जितो लेडीज विंग के सहयोग से आयोजित साइबर पीस यात्रा कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय साइबर सुरक्षा सलाहकार मनु नाहर ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सामान्य साइबर खतरों से सावधान रहने और सुरक्षित ऑनलाइन आदतें अपनाने की जरूरत पर जोर दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने साइबर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका नाहर ने सरल, व्यावहारिक और प्रभावशाली उत्तर दिए। इस सत्र ने विद्यार्थियों में जागरूकता पैदा करने के साथ-साथ डिजिटल जिम्मेदारी की संस्कृति को भी बढ़ावा दिया। कार्यक्रम का सफल समन्वय डॉ. उमेश गुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलाधिपति गजराज पगारिया, कुलपति प्रो. के. पी. यादव, महानिदेशक प्रियेश पगारिया और कुलसचिव गोकुलानंद पांडा ने मार्गदर्शन प्रदान किया।

रेलवे ने चलाया टिकट जांच अभियान, 200 यात्रियों से वसूला 62430 रुपए का राजस्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग की ओर से शनिवार को मांढर स्टेशन पर एम्बुश टिकट जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान कई यात्री बिना टिकट के सफर करते हुए पाए गए। जांच अभियान में लोकल पैसेंजर ट्रेनों रायपुर बिलासपुर मेमू ट्रेन-68728, गोंदिया झारसुगुड़ा पैसेंजर -68861, गेवरा रोड रायपुर पैसेंजर -68745, बिलासपुर रायपुर पैसेंजर -58201, गेवरा रोड रायपुर पैसेंजर -58203, बिना टिकट यात्रा करने वाले लगभग 188 मामलों से 56415 रुपए अनियमित टिकट के 09 मामलों से 5515 रूपये 02 धूम्रपान के मामले से 400 रुपए, 01 सी केस से 100 रुपए राजस्व प्राप्त हुआ। इस एंबुश टिकट जांच अभियान में कुल 200 मामलों से रायपुर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा 62430 रुपए का राजस्व प्राप्त किया गया। इस टिकट जांच अभियान में

सहायक वाणिज्य प्रबंधक अविनाश कुमार आनंद सहित 03 मुख्य वाणिज्य निरीक्षक, 02 वाणिज्य निरीक्षक, 18 टिकट चेकिंग स्टाफ, 08 आरपीएफ स्टाफ ने स्टेशन पर लोकल ट्रेनों में एंबुश टिकट जांच की गई।

फिर गायब होगी रात की गुलाबी ठंड, आज से सक्रिय होगा नया पश्चिमी विक्षोभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हवा के शुष्क होने की वजह से दो दिनों से लौटी गुलाबी ठंड का प्रभाव फिर से कम हो जाएगा। उत्तर अफगानिस्तान के आसपास पश्चिमी विक्षोभ का नया सिस्टम रविवार से सक्रिय होगा। भले ही अभी रात में हल्की ठंड महसूस हो रही है, मगर दिन में बढ़ती गर्मी महसूस हो रही है। राज्य का सर्वाधिक तापमान 31.2 डिग्री तक पहुंच चुका है, जो जगदलपुर में दर्ज किया गया है।

फरवरी का महीना ठंडी-गर्मी का मिला जुला मौसम है। इन दिनों पश्चिमी विक्षोभ के व्यवधान से बादल-बारिश की आशंका भी होती है और तापमान में भी उतार-चढ़ाव के हालात बने रहते हैं। पिछले दो दिन से शुष्क हवा के आने की वजह से रात के तापमान में थोड़ी गिरावट आई थी, जिससे रात में ठंड का अनुभव हो रहा था। शुष्क हवा के प्रभाव से न्यूनतम तापमान में भी थोड़ी गिरावट आई थी।

पेज 11 के शेष

आग पर काबू ....

धुएं के गुबार को भनपुरी, उरला के साथ राजधानी तक देखा गया। हवा की दिशा रायपुर की तरफ होने की वजह से धुएं का गुबार तेलीबांधा तक देखा गया। उठ रहे धुएं के गुबार को देखकर ऐसा लग रहा था, मानो आग शहर के किसी व्यस्त इलाके में लगी हो। शुरुआत में लोग शहर के किसी व्यस्त इलाके में आग लगने की आशंका व्यक्त कर रहे थे। धुंए की दिशा देख लोग एक दूसरे को कॉल कर आगजनी की जानकारी लेते देखे गए।

मौके पर पहुंची अफसरों की टीम : टार फैक्ट्री में लगी आग बढ़ने की जानकारी मिलने पर मौके पर पुलिस कमिश्नरेट के डीसीपी मयंक गुर्जर, एडीसीपी आकाश मरकाम सहित अन्य पुलिस अफसरों के साथ जिला पंचायत के सीईओ, बिरगांव नगर निगम के कमिश्नर सहित अन्य अफसर मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लेते हुए राहत तथा बचाव कार्य के लिए दिशा निर्देश दिए। घटना स्थल पर किसी भी तरह की अनहोनी रोकने तीन एंबुलेंस की टीम बुलाई गई थी।

प्रत्यक्षदर्शी ने बताया ऐसे लगी आग : एक अन्य फैक्ट्री में काम करने वाले कर्मचारी शिवम सोनी ने बताया कि वह रायपुर टार फैक्ट्री से सटी एक अन्य फैक्ट्री में वह टिफिन छोड़ने के लिए आया था। जिस फैक्ट्री में आगजनी की घटना घटित हुई है, उस फैक्ट्री के नजदीक एक अन्य फैक्ट्री में काम चल रहा था। जिस फैक्ट्री में काम चल रहा था, वहां के मजदूर ऊंचाई पर चढ़कर वेल्डिंग का काम कर रहे थे। इस दौरान वेल्डिंग के दौरान चिंगारी टार फैक्ट्री के ऑयल में गिरी। वेल्डिंग की चिंगारी गिरने से टार फैक्ट्री में एक सीमित जगह में आ लगी, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया।

आवाजाही रोकी गई ....

ऑयल से भरे टैंकर में विस्फोट होने से आग की लपटें सौ मीटर के दायरे में फैल सकती है। इस बात को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के लिहाज से सौ मीटर के दायरे में लोगों की आवाजाही रोक दी थी।

समय पर कंट्रोल ....

लगतीं और देखते ही देखते धुएं का गुबार उठने लगता। काले धुएं की वजह से कुछ दिखाई नहीं देता था। इस वजह से दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने में परेशानी का सामना करना पड़ा।

मेडिकल कालेज में ....

मरीज के अटेंडरों के लिए किसी तरह की सुविधा नहीं है। रात्रि में उन्हें खान-पान के लिए दूर होटल तक जाना पड़ता है। दावा किया जा रहा है कि इस कैंटीन की शुरुआत होने के बाद लोगों को सुविधा मिलेगी।

शोएब का और एक वीडियो ....

टकरा गई थी। इस बात पर शोएब ने बुजुर्ग व्यक्ति के साथ गाली-गलौज की है, लेकिन बुजुर्ग व्यक्ति ने इस मामले में थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराई। दोनों के बीच थोड़ी देर बाद समझौता हो गया, जिसके कारण मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की रात वीआईपी रोड राम मंदिर के पास मुख्य मार्ग पर शोएब अनवर की कार, दूसरी कार के साथ टकरा गई। उस कार में बुजुर्ग व्यक्ति सवार था। इस घटना के बाद शोएब और बुजुर्ग व्यक्ति के बीच टकराने की बात पर बहस हो गई। इस दौरान शोएब ने बुजुर्ग व्यक्ति से गाली-गलौज कर उसे धमकाने लगा, जिसे किसी ने अपने मोबाइल पर रिकार्ड कर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया है। हालांकि इस मामले में थाना प्रभारी का कहना है कि कार से टकराने की बात पर शोएब ने विवाद करते हुए बुजुर्ग व्यक्ति से गाली-गलौच जरूर की है, लेकिन बाद में दोनों के बीच समझौता हो गया। इसके कारण इस मामले में कोई अपराध पंजीबद्ध नहीं किया है।

गुंडागर्दी के कई ....

जेल रायपुर में प्रवेश कर कैदियों से मिलने की घटना को अंजाम दे चुका है। इस मामले में जेल प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए शोएब पर कैदियों और बंदियों से मुलाकात करने पर 3 महीने के लिए रोक लगाई थी।

20 बड़े टैक्स बकायादारों ....

1,00,989 रुपए के बकायेदार रणजीत सिंग वालिया सहित अन्य बड़े बकायादारों के संबंधित व्यावसायिक परिसर को बकाया टैक्स की राशि जमा नहीं करने पर सील किया गया।

सरकारी गाड़ियों में ...

उनके खिलाफ चालानी कार्रवाई के साथ वाहन जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी गाड़ियों के लिए ....

कई राज्यों में इसे लेकर विशेष अभियान भी चलाए गए हैं ताकि सरकारी विभागों में भी शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित हो सके।

खबर संक्षेप

ग्राम सड्डू में शिव महापुराण कथा आज से

तरपोंगी। समीपस्थ ग्राम सड्डू में 8 से 14 फरवरी तक संगीतमय शिव महापुराण कथा का आयोजन रखा गया है। जिसके कथा वाचक पंड़ित रामकृष्ण शुक्ला (मोहदा वाले) है।

कथा का समय दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक है। यह आयोजन समस्त ग्रामवासी द्वारा आयोजित है।

युवा संगम कार्यक्रम 21 को, तैयारी जोरों पर

अभनपुर। अभनपुर में आगामी 21 फरवरी को आयोजित होने वाले युवा संगम को लेकर तैयारियाँ तेज हो गई हैं। इसी क्रम में शिशु मंदिर अभनपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बैठक संपन्न हुई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा और सहभागिता को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि अभनपुर विकासखंड में निवासरत 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवक-युवतियाँ इस युवा संगम में भाग ले सकते हैं। खंड कार्यवाह बोधिराम चंद्राकर ने बताया कि सम्मेलन हेतु 10 फरवरी से 20 फरवरी तक ऑनलाइन पंजीयन की व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम में हजारों युवाओं के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। युवा संगम के संयोजक राधेश्याम साहू ने बताया कि इस सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों में रुचि रखने वाले महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में अध्ययनरत प्रतिभावान छात्र-छात्राएँ, युवा किसान, व्यवसायी एवं समाज के सक्रिय युवा बड़ी संख्या में सम्मिलित होंगे। बैठक में प्रमुख रूप से जिला कार्यवाह लोकनाथ साहू, सह खंड कार्यवाह प्रदीप गजेंद्र, इंद्रजीत देवांगन, देवेंद्र वर्मा, भुवन लाल निषाद, निकेश पटेल, खुमेश यदु सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अनुज शर्मा ने उत्कृष्ट विद्यार्थियों को किया सम्मानित

कुंरा। धरसींवां विधानसभा के कुंरा नगर पंचायत स्थित पीएम श्री स्कूल का वार्षिक उत्सव उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस गौरवशाली कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक अनुज शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। वार्षिकोत्सव के दौरान स्कूल के छात्र-छात्राओं ने 'शिक्षा और संस्कार' विषय पर आधारित विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए लोक नृत्य, लघु नाटिका और देशभक्ति गीतों ने उपस्थित अभिभावकों और गणमान्य नागरिकों का मन मोह लिया।विधायक ने वर्षभर उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले और खेलकूद में पदक जीतने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और मेडल प्रदान किए। इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि आप कल के भारत के निर्माता हैं। पीएम श्री स्कूल आपको वे संसाधन दे रहे हैं जो पहले मुमकिन नहीं थे, अब यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप अपनी मेहनत से इस अवसर को एक सुनहरे भविष्य में बदलें। साथ ही विधायक श्री शर्मा ने धरसींवां के सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में जीवन दीप समिति की बैठक में भी शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा,नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद साहू, डॉ. केके वर्मा, योगेश साहू, सहित शाला प्रबंधन समिति के सदस्य, प्राचार्य, समस्त शिक्षक गण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं तथा अभिभावक उपस्थित रहे।

विधायक की मौजूदगी में जीवनदीप समिति की बैठक में लिए गए कई अहम निर्णय

धरसींवा अस्पताल में अप्रैल से मिलेगी सोनोग्राफी की सुविधा : अनुज शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ धरसींवा

स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की सूरत और सीरत में बड़े बदलाव की तैयारी शुरू हो गई है। शनिवार को स्वास्थ्य केंद्र परिसर में जीवनदीप समिति की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्रीय विधायक अनुज शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान अस्पताल की हालिया उपलब्धियों पर हर्ष व्यक्त करने के साथ ही भविष्य की कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रदेश स्तर पर आयोजित कायाकल्प प्रतियोगिता में धरसींवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ने अपनी उत्कृष्ट सेवाओं और स्वच्छता के दम पर पूरे छत्तीसगढ़ में तीसरा स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। इसके साथ ही मुस्कान प्रतियोगिता में भी अस्पताल ने अपनी जगह सुरक्षित कर स्वास्थ्य मानकों पर अपनी पकड़ मजबूत की है। धरसींवा स्वास्थ्य केंद्र में जीवन दीप समिति की अहम बैठक दोपहर 03 बजे धरसींवा विधायक अनुज शर्मा व धरसींवा जनपद पंचायत अध्यक्ष शकुंतला ढीलेन्द्र सेन व स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में शुरू हुई। जिसमे बैठक में मरीजों की सुविधा के लिए सबसे बड़ा निर्णय सोनोग्राफी मशीन को लेकर लिया गया। विधायक अनुज शर्मा ने जानकारी दी कि सीएसआर मद के माध्यम से आगामी अप्रैल माह तक अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन स्थापित कर दी जाएगी, जिससे क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं और अन्य मरीजों को निजी सेंटरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। अस्पताल के बुनियादी ढांचे को सुधारने की कड़ी में परिसर के भीतर आकर्षक गार्डन विकसित करने और वाहनों के व्यवस्थित रख-रखाव के लिए पार्किंग की नई व्यवस्था पर भी सार्थक सहमति बनी। बैठक के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से 'सार्थक निर्णय' एजेंडे के तहत विभिन्न बिंदुओं पर मुहर लगाई गई।

स्वच्छता और बेहतर सेवाओं से धरसींवां तीसरा स्थान पर

क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार मुहैया कराने की दिशा में धरसींवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ने राज्य स्तर पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश स्तरीय 'कायाकल्प' प्रतियोगिता के घोषित परिणामों में धरसींवां अस्पताल ने अपनी उत्कृष्ट कार्यप्रणाली और स्वच्छता के कड़े मानकों पर खरा उतरते हुए पूरे छत्तीसगढ़ में तीसरा स्थान प्राप्त कर क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। अस्पताल प्रशासन द्वारा परिसर की साफ-सफाई, संक्रमण नियंत्रण और बेहतर ओपीडी प्रबंधन के क्षेत्र में किए गए निरंतर प्रयासों के कारण ही आज इस स्वास्थ्य केंद्र को राज्य की मेरिट सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त हुआ है। वही कायाकल्प की इस बड़ी सफलता के साथ-साथ अस्पताल ने 'मुस्कान' प्रतियोगिता में भी अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। बाल स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले मानकों को पूरा करते हुए अस्पताल ने इस श्रेणी में भी अपनी जगह सुरक्षित की है, जो यहाँ की स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति प्रबंधन की गंभीरता को दर्शाता है।

सम्मानजनक और निशुल्क इलाज मिले

बैठक को संबोधित करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि धरसींवां अस्पताल को प्रदेश में तीसरा स्थान मिलना हमारे स्वास्थ्य कर्मियों की मेहनत का परिणाम है, लेकिन हमारी मंजिल अभी दूर है। हमें इस केंद्र को मॉडल अस्पताल के रूप में विकसित करना है जहाँ गरीब से गरीब व्यक्ति को भी सम्मानजनक और निःशुल्क इलाज मिले। उन्होंने कहा कि अस्पताल केवल ईंट-पत्थरों की इमारत नहीं, बल्कि सेवा का मंदिर होना चाहिए। डॉक्टरों की कमी को दूर करना मेरी प्राथमिकता है और अप्रैल से सोनोग्राफी की सुविधा शुरू होने के बाद यहाँ की जनता को बहुत बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने सभी कर्मचारियों को ईमानदारी से कर्तव्य पालन करने की प्रेरणा दी।

डॉक्टरों की कमी और मरीजो की अनावश्यक रूप रेफर पर हुई चर्चा

चर्चा के दौरान अस्पताल में डॉक्टरों की कमी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा, जिस पर विधायक ने शासन स्तर पर पहल करने का आश्वासन दिया। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि अस्पताल से मरीजों को अनावश्यक रूप से रेफर करने की प्रवृत्ति पर लगाम लगाई जाए और गंभीर स्थितियों को छोड़कर यहीं पर बेहतर उपचार सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, प्रबंधन को यह सख्त हिदायत दी गई कि मरीजों से किसी भी प्रकार की अनावश्यक राशि न ली जाए और सरकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पारदर्शिता के साथ पहुंचाया जाए।

मंत्री टंकराम ने हाई स्कूल में बाउंड्रीवॉल बनाने किया भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ तिल्दा नेवरा

शनिवार को मंत्री टंकराम वर्मा ने बीएनबी हाई स्कूल में 15 लाख की लगत से बनने वाले बाउंड्रीवॉल के लिए किया भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने शहर में एक सुन्दर एक करोड की लगत से चौपाटी बनाने की घोषणा की।

उन्होंने बच्चों की किलकारियों से गूंजने वाले तिल्दा शहर के एक मात्र गार्डन का जीर्णोद्धारकर बच्चों के लिए नए सामान लगाए जाने की भी घोषणा की। नेवरा के बद्रीनारायण बगड़िया उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की बाउंड्री वॉल निर्माण के लिए भूमि पूजन करते हुए टंकराम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव की सरकार में पैसों की कोई कमी नहीं है। तिल्दा एक व्यावसायिक शहर है यहां का गार्डन सुंदर बना हुआ है। हम चाहते हैं कि गार्डन की सुंदरता और बढ़े इसके लिए गार्डन में बच्चों के खेलने व मनोरंजन के लिए और भी कई प्रकार नए समान लगाए जाएंगे। ताकि

बच्चों की किलकारियों से गूंजता रहे। इसके अलावा शहर में एक सुंदर चौपाटी भी बनाई जाएगी। जो आकर्षण और काफी सुंदर होगी। भूमि पूजन के मौके पर हाई स्कूल के छात्रोंओ ने मंत्री का छाल श्री फल से सम्मान किया। प्राचार्य राजेश चांदनी ने मंत्री को मोमेंटो देकर सम्मान किया।

इस अवसर पर विद्यालय की छात्र-छात्राएं शिक्षक शिक्षिकांओ के साथनगर पालिका अध्य. भाजपा नेता राम पंजवानी, उद्योगपति घनश्याम अग्रवाल, नरेंद्र शर्मा, सौरभ जैन, भागबली साहू विशेष रूप से उपस्थित थे।

'प्रीत तुम्हारी मधुशाला' का विमोचन आज

रायपुर। सिविल लाइंस स्थित वृंदावन समागार में 8 फरवरी को कवि राजेश राजेश जैन 'राही' द्वारा लिखित काव्य कृति 'प्रीत तुम्हारी मधुशाला' का विमोचन होने जा रहा है। यह कार्यक्रम शाम 5 बजे प्रारंभ होगा। इस अवसर पर शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं एवं युवा प्रतिभाओं को नवरंग समाज रत्न सम्मान से सम्मानित भी किया जाएगा। मुख्य वक्ता डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' कृति पर अपने बहुमूल्य विचार रखेंगे। कार्यक्रम में राजेश जैन 'राही' द्वारा कृति के छंदों की संगीतबद्ध प्रस्तुति 'प्रणय पथ के नाम से दी जाएगी। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा, रूंगटा सिकल्स यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रख्यात शिक्षाविद डॉ. जवाहर सुरिसेट्टी, आचार्य रंजन मोड़क तथा कवयित्री डॉ. नेहा शुक्ला अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

चंडी बिजली सबस्टेशन की सड़क एवं गेट निर्माण अधूरे

हरिभूमि न्यूज ⏭ अभनपुर

ग्राम चंडी स्थित 33/11 केवी सब स्टेशन तक पहुँचने वाली सीसी सडक़ एवं मुख्य गेट का निर्माण कार्य लंबे समय से अधूरा पड़ा हुआ है। तय समय-सीमा समाप्त होने के बावजूद कार्य पूर्ण न होने से विभागीय कर्मचारियों, वाहनों एवं स्थानीय ग्रामीणों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

उक्त निर्माण कार्य की जिम्मेदारी ट्रिपल एस कंस्ट्रक्शन के ठेकेदार प्रदीप नगपुरे को सौंपी गई थी। उक्त संबंध मे पूर्व मे ठेकेदार प्रदीप नगपुरे से चर्चा की गई थी, तब उन्होंने सीसी सडक़ एवं गेट निर्माण कार्य एक सप्ताह के भीतर पूर्ण करने का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक न तो सीसी सडक़ बन पाई है और न ही मुख्य गेट का कोई अता-पता है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार यह कार्य ग्राम चंडी के सरपंच राजू धीवर को सौंप दिया गया था। उनके द्वारा कार्य प्रारंभ तो किया गया, लेकिन केवल बेस गिट्टी डालकर कार्य आधा-अधूरा छोड़ दिया गया है। न तो पानी की तराई की जा रही है और न ही कार्य को आगे बढ़ाया जा रहा है। पानी न डालने के कारण सीसी रोड के लिए डाली गई बेस पूरी तरह धूलयुक्त हो चुकी है, जिस पर पैर रखते ही मलबा उखड़ रहा है, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

> ■ आज तक न तो सीसी सडक़ बन पाई है और न ही मुख्य गेट का कोई अता-पता

इस संबंध में ठेकेदार प्रदीप नगपुरे एवं सरपंच राजू धीवर से दूरभाष के माध्यम से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन दोनों की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। सूत्रों की मानें तो निर्माण कार्य में अनावश्यक देरी एवं लापरवाही को लेकर संबंधित ठेकेदार पर विभाग द्वारा पेनल्टी लगाए जाने की जानकारी भी सामने आ रही है।

भक्ति व उल्लास के साथ सात दिवसीय रामकथा का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ तिल्दा नेवरा

स्वर्गीय सोनी चंद वर्मा स्मृति फाउंडेशन के द्वरा आयोजित हाई स्कूल मैदान पर चल रही सात दिवसीय राम कथा का शनिवार को पूर्णाहुति के साथ समापन हुआ। श्रद्धालुओं की भीड़ कथा शुरू होने के 1 घंटे पहले सुबह 11 बजे से ही जुटनी शुरू हो गई और 12 बजे जब सुश्री चंद्रकला ने आसन ग्रहण किया तब तक राम भक्तों का समुद्र बन चुका था। भक्ति और आस्था की लहरें हिलोरे लेने लगी थी।

सुश्री चंद्रकला ने प्रभु के प्रति इतने प्रेम के लिए धन्यवाद दिया। कथा में जब प्रभु श्री राम के राज्याभिषेक का प्रसंग आया तो श्रद्धालुओं ने जय श्री राम का उद्घोष करते हुए जमकर पुष्प बरसाए और भजन पर नाचते हुए मंच के सामने आ गए। रामकथा के अंतिम दिन कथा वाचक मानस मर्मज्ञ सुश्री देवी चंद्रकला ने लंका दहन का प्रसंग सुनाया उन्होंने कहा हनुमान माता सीता की खोज में लंका की ओर गए वहां उन्होंने अशोक वाटिका में मां सीता की देखा लेकिन सीता जी को उन पर विश्वास नहीं हुआ। तब उन्होंने श्री राम की मुद्रिका दिखाकर

उन्हें विश्वास दिलाया । अशोक वाटिका में हनुमान जी ने बहुत उत्पाद मचाया जिसे देखकर मेघनाथ ने उन्हें रावण के समक्ष प्रस्तुत किया।

मेघनाथ ने रावण ने हनुमान जी को मृत्युदंड देने की मांग की जिसका विभीषण ने विरोध किया । इस पर रावण ने हनुमान जी की पूछ में आग लगाने का आदेश दिए। उसके बाद हनुमान जी ने अपनी पूंछ में लगी आग से पूरी लंका में आग लगा दी जिससे वहां पर त्राहिमाम मच गया।

रामराज्य प्रेम और न्याय का शासन

दीदी चन्द्रकला ने राज्याभिषेक और श्रीराम के राजतिलक प्रसंग को विस्तार से समझाया। उन्होंने रामायण से मिलने वाली मर्यादा, सेवा भाव, बलिदान और त्याग की शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। कथा व्यास ने बताया कि चौदह वर्ष के वनवास में भगवान श्रीराम ने दीन-दुखियों और वनवासियों के कष्ट दूर किए, साथ ही उन्होंने श्रोताओं को पुनीत कार्यों में सहयोग का संदेश दिया। कथा के समापन पर राम राज्याभिषेक उत्सव धूमधाम से मनाया गया। उन्होंने कहा कि रामराज्य रामराज्य केवल सत्ता का प्रतीक नहीं, बल्कि ऐसा समाज है जहां भाई नहीं, भेद नहीं और अन्याय नहीं, जहां प्रेम करुणा और न्याय का शासन होता है, उसे राज्याभिषेक कहा जाता है। इस अवसर पर श्रोता भजनों की धुनों पर झूम उठे। कथावाचक ने कहा कि प्रेम, प्रार्थना और प्रभु भक्ति से ही प्रभु प्रकट होते हैं। श्रीराम कथा के समापन पर आयोजन कमेटी की ओर से पुष्प राज वर्मा ने क्षेत्रवासियों को कार्यक्रम में सहयोग करने के लिए आभार जताया। कथा समापन के दौरान पूर्णाहुति में मंत्री टंकराम सपत्निक शामिल होलर आहुति दी और आरती में शामिल हुए।

मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज की अहम बैठक आज

तरपोंगी। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज धरसींवा राज का सामाजिक प्रकरण बैठक 8 फरवरी दिन रविवार को कुर्मी भवन बरबंदा में सुबह 10 बजे से रखा गया है। बैठक की अध्यक्षता राज प्रधान नीलमणी परगनिहा करेंगे। इस बैठक में सामाजिक प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। उक्तासय की जानकारी समाज के मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा ने दी।

पेज 11 के शेष...

आग पर काबू ....

धुएं के गुबार को मनपुरी, उरला के साथ राजधानी तक देखा गया। हवा की दिशा रायपुर की तरफ होने की वजह से धुएं का गुबार तेलीबांधा तक देखा गया। उठ रहे धुएं के गुबार को देखकर ऐसा लग रहा था, मानो आग शहर के किसी व्यस्त इलाके में लगी हो। शुरुआत में लोग शहर के किसी व्यस्त इलाके में आग लगने की आशंका व्यक्त कर रहे थे। धुंए की दिशा देख लोग एक दूसरे को कॉल कर आगजनी की जानकारी लेते देखे गए। ***मौके पर पहुंची अफसरों की टीम :*** टार फैक्ट्री में लगी आग बढ़ने की जानकारी मिलने पर मौके पर पुलिस कमिश्नरेट के डीसीपी मयंक गुर्जर, एडीसीपी आकाश मरकाम सहित अन्य पुलिस अफसरों के साथ जिला पंचायत के सीईओ, बिरगांव नगर निगम के कमिश्नर सहित अन्य अफसर मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लेते हुए राहत तथा बचाव कार्य के लिए दिशा निर्देश दिए। घटना स्थल पर किसी भी तरह की अनहोनी रोकने तीन एंबुलेंस की टीम बुलाई गई थी।

प्रत्यक्षदर्शी ने बताया ऐसे लगी आग : एक अन्य फैक्ट्री में काम करने वाले कर्मचारी शिवम सोनी ने बताया कि वह रायपुर टार फैक्ट्री से सटी एक अन्य फैक्ट्री में वह टिफिन छोड़ने के लिए आया था। जिस फैक्ट्री में आगजनी की घटना घटित हुई है, उस फैक्ट्री के नजदीक एक अन्य फैक्ट्री में काम चल रहा था। जिस फैक्ट्री में काम चल रहा था, वहां के मजदूर ऊंचाई पर चढ़कर वेल्डिंग का काम कर रहे थे। इस दौरान वेल्डिंग के दौरान चिंगारी टार फैक्ट्री के ऑयल में गिरी। वेल्डिंग की चिंगारी गिरने से टार फैक्ट्री में एक सीमित जगह में आ लगी, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया।

आवाजाही रोकी गई ...

ऑयल से भरे टैंकर में विस्फोट होने से आग की लपटें सौ मीटर के दायरे में फैल सकती है। इस बात को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के लिहाज से सौ मीटर के दायरे में लोगों की आवाजाही रोक दी थी।

समय पर कंट्रोल ...

लगतीं और देखते ही देखते धुएं का गुबार उठने लगता। काले धुएं की वजह से कुछ दिखाई नहीं देता था। इस वजह से दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने में परेशानी का सामना करना पड़ा।

मेडिकल कालेज में ....

मरीज के अटेंडरों के लिए किसी तरह की सुविधा नहीं है। रात्रि में उन्हें खान-पान के लिए दूर होटल तक जाना पड़ता है। दावा किया जा रहा है कि इस कैंटीन की शुरुआत होने के बाद लोगों को सुविधा मिलेगी।

शोएब का और एक वीडियो ....

टकरा गई थी। इस बात पर शोएब ने बुजुर्ग व्यक्ति के साथ गाली-गलौज की है, लेकिन बुजुर्ग व्यक्ति ने इस मामले में थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराई। दोनों के बीच थोड़ी देर बाद समझौता हो गया, जिसके कारण मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की रात वीआईपी रोड राम मंदिर के पास मुख्य मार्ग पर शोएब अनवर की कार, दूसरी कार के साथ टकरा गई। उस कार में बुजुर्ग व्यक्ति सवार था। इस घटना के बाद शोएब और बुजुर्ग व्यक्ति के बीच टकराने की बात पर बहस हो गई। इस दौरान शोएब ने बुजुर्ग व्यक्ति से गाली-गलौज कर उसे धमकाने लगा, जिसे किसी ने अपने मोबाइल पर रिकार्ड कर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया है। हालांकि इस मामले में थाना प्रभारी का कहना है कि कार से टकराने की बात पर शोएब ने विवाद करते हुए बुजुर्ग व्यक्ति से गाली-गलौच जरूर की है, लेकिन बाद में दोनों के बीच समझौता हो गया। इसके कारण इस मामले में कोई अपराध पंजीबद्ध नहीं किया है।

गुंडागर्दी के कई ...

जेल रायपुर में प्रवेश कर कैदियों से मिलने की घटना को अंजाम दे चुका है। इस मामले में जेल प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए शोएब पर कैदियों और बंदियों से मुलाकात करने पर 3 महीने के लिए रोक लगाई थी।

20 बड़े टैक्स बकायादारों ...

1,00,989 रुपए के बकायेदार रणजीत सिंग वालिया सहित अन्य बड़े बकायादारों के संबंधित व्यावसायिक परिसर को बकाया टैक्स की राशि जमा नहीं करने पर सील किया गया।

सरकारी गाड़ियों में ...

उनके खिलाफ चालानी कार्रवाई के साथ वाहन जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी गाड़ियों के लिए ...

कई राज्यों में इसे लेकर विशेष अभियान भी चलाए गए हैं ताकि सरकारी विभागों में भी शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित हो सके।

जस झांकी प्रतियोगिता से भक्तिमय हुआ मांढर

लोक कलाकारों ने बिखेरी छत्तीसगढ़ी संस्कृति की छटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिलयारी

जय महामाया जस झांकी समिति मांढर के तत्वाधान में दो दिवसीय जस झांकी प्रतियोगिता का शनिवार को दुर्गा की मूर्ति स्थापना के साथ दीप प्रज्ज्वलित की गई। इस दौरान सरपंच श्रीमती कुमारी आडिल तथा उप सरपंच मनीष धीवर के उपस्थिति में विधिवत पूजा अर्जन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। पहले दिन झांकी प्रतियोगिता में लोक कला दलों की रंग बिरंगी प्रस्तुतियों ने समां बांधा दिया , ग्रामीण परिवेश में अलग-अलग जिलों से आए लोककला दल की प्रस्तुतियों ने सभी को अपनी कला के रंग में रंग दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रोताओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

खुशबू बिखेर दी : इस आयोजन में जिला राजनांदगांव से आए लोक रंजनी फाग परिवार कलाकारों ने मंच पर लोक संस्कृति खुशबू बिखेर दी । इसी तरह बेमेतरा जिला से भारत दर्शन जस झांकी मंडली भिंभौरी ने रामचरित मानस का गायन कर सबका मन मोहा। जय महामाया झांकी परिवार मांढर भगवा सवारी करें महतारी जग तरना जगदंबा झांकी प्रस्तुत कर अपनी गीतों में सजाया और जीवंत झांकी से झलक दिखाई दी। जब गीतों में प्रस्तुत किया तो सभी मुग्ध हो उठे । इस दो दिवसीय झांकी प्रतियोगिता का समापन 8 फरवरी रविवार देर रात्रि को होगी। अंतिम दिन दर्जन से ज्यादा मंडलीय अपने कल का प्रदर्शन करेंगी।

कार्यक्रम पंचायत भवन के सामने मैदान में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के सदस्यगण गोपी साहू, माया जायसवाल, रानू साहू, धनुष सिंह, गब्बर साहू, रमन संगसुल्तान, मनीष राज चौहान, नंदू पाठक, तुलेश्वर साहू, ईश्वर साहू, खिलावन साहू, वीरेंद्र साहू, मानस गोस्वामी, सेवा जायसवाल, जागेश्वर साहू, मुकेश साहू, राकेश निषाद, अशोक जयसवाल, मुकेश साहू, खेमराज साहू, संतु ध्रुव, धर्मेंद्र साहू, राजू साहू, रोहित वर्मा, हेमराज साहू, मनाराम रात्रे, दिनेश वर्मा, सुरेंद्र साहू, मानसिंह धीवर, शाम गिरी गोस्वामी, थान सिंह वर्मा, ज्योतिष सेन आदि समिति के सदस्य कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हुए हैं।

खबर संक्षेप

महाशिवरात्रि पर्व पर शिव महात्म्य कथा

रायपुर। महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में गोदेश्वर महादेव परिवार द्वारा शिव महात्म्य कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कथा का शुभारंभ आज से विधिवत पूजन एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया जाएगा। आयोजन समिति के पूरन साहू में बताया कि इस अवसर पर भगवान शिव के महात्म्य, उनके आदर्शों तथा शिवभक्ति के महत्व पर विस्तार से कथावाचन किया जाएगा। आयोजन स्थल पर प्रतिदिन भजन-कीर्तन, आरती एवं प्रसाद वितरण की व्यवस्था रहेगी। आयोजकों ने बताया कि महाशिवरात्रि के पावन दिनों में आयोजित यह शिव महात्म्य कथा श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा एवं पुण्यलाभ का विशेष अवसर होगी।

लायब्रेरियन फेडरेशन ने स्कूल शिक्षा मंत्री से की मुलाकात

रायपुर। छत्तीसगढ़ लाइब्रेरियन फेडरेशन के पदाधिकारियों ने गत दिनों स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव से रायपुर स्थित निज निवास में पहुंचकर सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान पदाधिकारियों ने मंत्री को लगभग पंद्रह वर्षों से चली आ रही स्कूल शिक्षा विभाग के ग्रंथपाल पद के सेटअप की समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। इसे संज्ञान में लेते हुए मंत्री ने इस दिशा में सकारात्मक पहल कर समाधान की बात कही। इस अवसर पर फेडरेशन की ओर से मेटल चित्रकार विक्रम सिंह द्वारा निर्मित मंत्री गजेंद्र यादव की मेटल पेंटिंग, उन्हें भेंट स्वरूप प्रदान की गई, जिसे देखकर मंत्री ने विशेष प्रसन्नता व्यक्त की। मुलाकात करने वालों में विक्रम सिंह, मोहेंद्र कुमार साहू, कौशल कुर्रे, रवि यादव, तुलेंद्र वर्मा, वेदन बंछोर, कुलेश्वर वर्मा, ग्रंथपाल तामन साहू आदि उपस्थित रहे।

देशभर से हटेंगे 2 लाइट वाले पुराने सिग्नल, आधुनिक 3-लाइट सिग्नल से सुरक्षित होगी यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतीय रेलवे ने रेल यात्रा को अधिक सुरक्षित और आरामदायक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव की तैयारी पूरी कर ली है। रेलवे बोर्ड ने देशभर के सभी पुराने टू-आस्पेक्ट, दो लाइटों वाले सिग्नल सिस्टम को हटाकर आधुनिक थ्री-आस्पेक्ट, तीन लाइटों वाले सिग्नल लगाने का निर्णय लिया है। इस महत्वपूर्ण बदलाव के बाद अब लोको पायलट को काफी दूरी से ही पता चल जाएगा कि अगला सिग्नल किस स्थिति में है। इससे न केवल सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि यात्रियों को लगने वाले अचानक ब्रेक के झटकों से भी पूरी तरह निजात मिल जाएगी। वर्तमान में देश के कई हिस्सों में विशेष रूप से रेलवे फाटकों और छोटे स्टेशनों के पास, दशकों पुराना टू-आस्पेक्ट सिस्टम काम कर रहा है। इस व्यवस्था में केवल दो लाइटें लाल और हरी होती थीं। इस पुराने सिस्टम की सबसे बड़ी खामी यह थी कि लोको पायलट को खतरे का लाल सिग्नल का संकेत तब मिलता था, जब ट्रेन सिग्नल के बेहद करीब पहुंच जाती थी। ऐसी स्थिति में लोको पायलट को ट्रेन रोकने के लिए इमरजेंसी ब्रेक का सहारा लेना पड़ता था। रेलवे जिस आधुनिक सिस्टम को लागू कर रहा है, उसमें लाल और हरी लाइट के बीच एक 'पीली लाइट' का सुरक्षा कवच जोड़ा गया है। यह नई तकनीक किसी स्मार्ट अलर्ट की तरह काम करेगी। अग्रिम चेतावनी मिलेगी। यदि आगे का सिग्नल लाल है, तो उससे काफी पहले वाला सिग्नल स्वतः ही पीला हो जाएगा।

खास खबर

इमरजेंसी ब्रेक के झटकों से भी मिलेगी मुक्ति

सभी जोनल रेलवे को कड़ा निर्देश

रेलवे बोर्ड की डिप्टी डायरेक्टर, ट्रैफिक ट्रांसपोर्टेशन श्वेता शर्मा ने इस संबंध में सभी जोनल रेलवे को कड़ा निर्देश जारी किया है। पत्र के माध्यम से कहा गया है कि जहां गेट स्टाप सिग्नल और स्टेशन डिस्टेंट सिग्नल एक साथ जुड़े हुए हैं, वहां तकनीकी विसंगतियों को तत्काल दूर किया जाए। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि जनरल रूल्स (जीआर 3.07) के तहत अब पूरे देश में सिग्नलिंग की एक जैसी और आधुनिक व्यवस्था लागू की जाएगी। जोनल अधिकारियों को ऐसे संवेदनशील स्थानों की पहचान कर काम शुरू करने को कहा गया है।

यह होगा रेलवे और यात्रियों को फायदा

अक्सर अचानक ब्रेक लगने से सो रहे यात्रियों या गलियारों में चल रहे लोगों को चोट लगने का डर रहता था। अब सफर पूरी तरह सुखारू और आरामदायक होगा। लंबी और भारी मालगाड़ियों में अचानक ब्रेक लगाना तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण होता है। एडवांस चेतावनी मिलने से दुर्घटनाओं की संभावना शून्य हो जाएगी। सर्दियों के दौरान धुंध के कारण सिग्नल दिखाई नहीं देते। यह तीन लाइटों वाला सिस्टम लोको पायलट को समय रहते सचेत कर देगा, जिससे देरी भी कम होगी।जब ट्रेन को अचानक रोककर फिर से शुरू किया जाता है, तो भारी मात्रा में बिजली या डीजल की खपत होती है। गति को धीरे-धीरे नियंत्रित करने से ऊर्जा की बचत होगी।

जीएसटी कम होने से 40 हजार के एसी पर चार हजार कम हो गए दाम

एसी-कूलर का गर्म होने लगा बाजार
900 करोड़ रुपए का होगा कारोबार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

गर्मी का आगाज इस बार अभी नहीं हो सका है, लेकिन कारोबारियों ने एसी और कूलरों का स्टॉक मंगाकर रख लिया है। एसी और कूलरों का बाजार इस माह से गर्म होना प्रारंभ हो गया है। अगले माह से इसमें तेजी भी आ जाएगी। इस बार सीजन में डेढ़ लाख से ज्यादा एसी बिकने का अनुमान है। बीते साल सवा लाख एसी बिके थे। पहली बार गर्मी के सीजन में इतने ज्यादा एसी बिके थे। इसके पीछे का कारण यह है कि अब गांवों से भी एसी की बहुत ज्यादा डिमांड आ रही है और ग्रामीण भी एसी खरीद रहे हैं। इस सीजन में एसी और कूलरों का मिलाकर 900 करोड़ का कारोबार हो जाएगा। एसी के दाम इस बार जीएसटी कम होने के कारण दस फीसदी तक कम हो गए हैं। एयर कंडीशनर यानी एसी भी अब खास से आम गया है। एक समय था, जब इसकी डिमांड बड़े शहरों और अमीरों के घरों के लिए होती थी, लेकिन अब एसी की डिमांड बड़े शहरों से हटकर गांवों और छोटे शहरों में भी बढ़ गई है। अब मध्यम वर्ग के घरों में भी एसी एक से ज्यादा लग रहे हैं।

600 करोड़ का होगा एसी का कारोबार

कम और ज्यादा कीमत को देखते हुए एक एसी की औसत कीमत अगर 40 हजार मान लें तो इस सीजन में करीब छह सौ करोड़ का कारोबार हो जाएगा। इस बार तो कीमत में दस फीसदी तक की कमी आई है। बीते साल सितंबर में जीएसटी को एसी पर 28 फीसदी के स्थान पर 18 फीसदी कर दिया गया है। ऐसा होने से 40 हजार का एसी चार हजार रुपए कम हो गया है। तीस हजार वाला एसी तीन हजार रुपए कम हो गया है। दाम कम होने से भी कारोबार ज्यादा

300 करोड़ के बिकेंगे कूलर

गर्मी के सीजन में सबसे बड़ा कारोबार कूलरों का होता है। 2023 में जहां तीन लाख कूलर बिके थे, वहीं 2024 में साढ़े तीन और बीते बीते साल चार लाख से ज्यादा कूलर बिके हैं। इस बार पांच लाख से ज्यादा कूलर बिकने का अनुमान है। लोकल कूलरों में विंडो कूलरों की मांग ज्यादा रहती है। ये कूलर चार से आठ हजार के बीच मिलते हैं। आज-कल तो दो हजार तक के छोटे कूलर भी आने लगे हैं। इसके अलावा रूम कूलरों की भी बड़ी डिमांड रहती है। रूम कूलरों में ब्रांडेड कूलर जहां 10 से 12 हजार के मिलते हैं, वहीं लोकल कूलर 5 से 8 हजार में मिल जाते हैं। एक कूलर की औसत कीमत छह हजार माने तों सीजन में इसका कारोबार भी तीन सौ करोड़ हो जाएगा।

तीन साल में एसी का कारोबार डबल

एसी का कारोबार बड़ा होता है। ब्रांडेड एसी 30 हजार से एक लाख तक के आते हैं। पहले एसी कम बिकते थे, लेकिन बीते तीन सालों से एसी की डिमांड बढ़ गई है। हर साल 15 से 20 हजार एसी ज्यादा बिक रहे हैं। तीन साल पहले प्रदेश में 50 हजार के आस-पास ही एसी बिकते थे, लेकिन जहां 2023 में 65 हजार के आस-पास एसी बिके, वहीं 2024 में 80 हजार बिके हैं। बीते साल सवा लाख एसी बिके हैं। ऐसे में बीते साल 45 हजार एसी ज्यादा बिके। यानी कारोबार में 50 फीसदी का इजाफा हो गया।

सवा महीने से साक्षात्कार शेड्यूल का इंतजार

मेडिकल कालेजों में सहायक प्राध्यापकों की सीधी भर्ती

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शासकीय मेडिकल कालेजों में चिकित्सा शिक्षकों की कमी दूर करने सहायक प्राध्यापकों की सीधी भर्ती के लिए सवा महीने से इंटरव्यू शेड्यूल जारी होने का इंतजार किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के माध्यम से विभिन्न सुपर स्पेशलिटी के साथ 35 विभागों में 125 डाक्टरों की भर्ती की जाएगी। चिकित्सा शिक्षा विभाग इसके माध्यम से नए कालेजों के साथ पुराने चिकित्सा महाविद्यालयों में भी शिक्षकों की कमी को दूर करने का प्रयास कर रहा है। स्वास्थ्य विभाग काफी समय बाद राज्य के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में सीधी भर्ती की प्रक्रिया पूरी कर रहा है। 125 असिस्टेंट प्रोफेसरों की भर्ती के लिए सीजीपीएससी को जिम्मेदारी दी गई है। सीधी भर्ती में किसी तरह की परीक्षा का आयोजन नहीं किया जाता। आने वाले आवेदनों के आधार पर इंटरव्यू के माध्यम से योग्यता के आधार पर मेरिट लिस्ट जारी कर आवेदन करने वालों को ज्वाइनिंग दी जाती है। असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती के लिए पीएससी द्वारा 24 दिसंबर तक आवेदन बुलाए गए थे। आवेदन की अंतिम तिथि को समाप्त हुए करीब सवा महीने बीत चुके हैं और शासकीय कालेजों में सेवा देने के इच्छुक अभ्यर्थियों को साक्षात्कार का टाइम टेबल जारी होने का इंतजार है। सूत्रों का कहना है कि इंटरव्यू के बाद चयन सूची जारी कर नए डाक्टरों का पदस्थापना आदेश जारी किया जाएगा। इन डाक्टरों की भर्ती के बाद मानव संसाधन की कमी से जूझने वाले शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में शिक्षकों की कमी काफी हद तक दूर हो जाएगी।

खुलेंगे पदोन्नति के रास्ते

सहायक प्राध्यापकों की भर्ती होने के बाद चिकित्सा महाविद्यालयों में पदस्थ अन्य डाक्टरों के पदोन्नति के रास्ते खुलेंगे। वर्तमान में सालों से डीपीसी कमेटी की बैठक इस मामले में नहीं हुई है। इसकी वजह से वरिष्ठता के मापदंडों को पूरा करने वाले डाक्टरों को अब तक प्रमोशन का लाभ नहीं मिला है। शासकीय मेडिकल कालेजों में पदस्थ 70 से ज्यादा सहायक प्राध्यापक अब तक सह-प्राध्यापक नहीं बन पाए हैं।

लभांडी से कचना तक सड़क निर्माण प्रभावितों ने बेघर होने का जताया अंदेशा

कांग्रेसी नेता पंकज शर्मा से उनके निवास में की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

लभांडी के गरीब एवं मेहनतकश परिवारों के हक और उनके आशियाने की रक्षा के लिए आज लभांडी के प्रभावित नागरिकों को साथ लेकर रायपुर ग्रामीण विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी रहे पंकज शर्मा से उनके बांसटाल स्थित निवास में मुलाकात की गई।

लाभांडी से कचना तक सड़क निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारी द्वारा पटवारी और आरआई के साथ जमीन की नापजोख की जा रही है। प्रस्तावित सड़क निर्माण के दायरे में कई गरीब परिवार आ रहे हैं। प्रभावित परिवारों का कहना है, सालों से जिस जमीन और मकान पर रहते आ रहे हैं, सड़क निर्माण से उनका आशियाना प्रभावित होने का अंदेशा है। उनका ये कहना है कि उन्हें बेघर न किया जाए। लालबहादुर शास्त्री वार्ड पार्षद रेणु-जयंत साहू के साथ प्रभावित परिवारों ने कांग्रेसी नेता पंकज शर्मा से मुलाकात कर अपनी परेशानी बताई। पार्षद रेणु जयंत साहू ने कहा कि हमारा विरोध विकास से नहीं है, लेकिन गरीबों के मकान तोड़कर विकास करना किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं होगा। यदि शासन सही में सड़क बनाना चाहता है तो समीप स्थित बीसीआर हॉस्पिटल की ओर से वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध है, जहां से सड़क निर्माण संभव है और किसी भी गरीब परिवार का घर नहीं टूटेगा। उस मार्ग का उपयोग सड़क निर्माण में किया जा सकता है।

प्रभावितों परिवारों की समस्या सुनने के बाद पंकज शर्मा ने मामले की गंभीरता को समझते हुए संबंधित अधिकारियों से तत्काल दूरभाष पर चर्चा की और प्रभावित नागरिकों की उपस्थिति में पुनः सर्वे करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी बताया कि जिन परिवारों के मकान प्रभावित हो रहे हैं, वे प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही हैं ,तथा उनके पास वैध पट्टा भी उपलब्ध है। ऐसे में उन्हें बेघर करना पूरी तरह अन्यायपूर्ण होगा। वार्ड पार्षद ने मांग की है कि सड़क निर्माण वैकल्पिक स्थान से किया जाए और गरीबों के मकानों को सुरक्षित रखा जाए। जनभावनाओं की अनदेखी कर किसी भी प्रकार की कदम उठाया गया तो उसका लोकतांत्रिक तरीके से पुरजोर विरोध किया जाएगा।

तीसरे दौर में शामिल सीट 245 हुई, ज्यादातर नॉन क्लीनिकल सीट

मॉपअप राउंड में जेएनएम कालेज 30, निजी कालेजों में 34 सीटों पर एनआरआई का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मॉपअप राउंड के लिए रायपुर के शासकीय मेडिकल कालेज की 30 सीट शामिल होगी, वहीं निजी कालेजों में एनआरआई कोटे की 34 सीटों के लिए अभ्यर्थियों के आने का इंतजार किया जा रहा है। मॉपअप राउंड में 245 सीटों को शामिल किया गया है, जिसमें से ज्यादातर नॉन क्लीनिकल है। मॉपअप राउंड में प्रवेश न्यूनतम अंक में की गई कटौती के साथ दिया जा रहा है।

काउंसिलिंग प्रक्रिया के कोर्ट तक जाने की वजह से इस बार काउंसिलिंग की प्रक्रिया फरवरी तक पूरी की जा रही है। संयुक्त दौर की काउंसिलिंग पूरी होने के बाद अब मॉपअप राउंड के माध्यम से एडमिशन के लिए आवेदन और संस्था चयन का काम पूरा किया जा रहा है। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जारी की गई सूची के मुताबिक दो राउंड के एडमिशन के बाद शासकीय और निजी मिलाकर दस मेडिकल कालेजों में 245 सीटें खाली है। इनमें शासकीय मेडिकल कालेज रायपुर की 16 नॉन क्लीनिकल और 14 क्लीनिकल विषयों की सीटें शामिल है। इसी तरह तीन निजी कालेजों में अप्रवासी भारतीय कोटे की 34 सीटों पर एडमिशन होना शेष हैं। नए नियम के मुताबिक प्रायवेट कालेजों की आधी सीटों पर एडमिशन ओपन कोटे के माध्यम से दिया जा रहा है। न्यूनतम अंक में की गई कटौती के बाद लगभग 99 फीसदी सीटों पर एडमिशन होने की संभावना है।

सरोना में बनेगा 100 बिस्तर का आधुनिक अस्पताल खमतराई से तिलकनगर तक होगा सड़क डामरीकरण

विधायक मूणत ने 3 करोड़ 16 लाख के विकास कार्यों की दी सौगात

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर पश्चिम क्षेत्र के संत रविदास वार्ड स्थित सरोना में आधुनिक सुविधाओं से युक्त 100 बिस्तर वाला अस्पताल बनेगा। इससे इस क्षेत्र के रहवासियों को सुगमता से स्वास्थ्य सुविधा मिल सकेगी। खमतराई से तिलक नगर तक धूल और कीचड़ से निजात दिलाने वहां 2 करोड़ 34 लाख की लागत से चकाचक सड़क बनेगी। क्षेत्र के विधायक राजेश मूणत ने गुरुवार को जोन 1 क्षेत्र के रहवासियों को 3 करोड़ 16 लाख की लागत के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। सरोना में आधुनिक सुविधाओं से युक्त अस्पताल निर्माण के लिए जल्द भूमिपूजन होगा।

विधायकराजेश मूणत ने पश्चिम विधानसभा क्षेत्र को विकास के मामले में आदर्श विधानसभा बनाने

संकल्प के साथ शनिवार को जोन 1 क्षेत्र में 3 करोड़ 16 लाख के विकास कार्यों का उपहार दिया। राजेश मूणत ने खमतराई, ठक्कर बापा वार्ड, नेताजी कन्हैया लाल बाजारी वार्ड और बाल गंगाधर तिलक नगर वार्ड में डामरीकरण कार्यों का भूमिपूजन किया। इस मौके पर निगम सभापति सूर्यकांत राठौर, जोन अध्यक्ष गज्जूराम साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। भूमिपूजन के अवसर पर राजेश मूणत ने कहा, सड़कों के डामरीकरण से वार्ड में धूल की समस्या दूर होगी और इससे लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। संत रविदास वार्ड के सरोना में 100 बिस्तर के भव्य अस्पताल के लिए जगह चिन्हिंत कर ली गई है। कागजी प्रक्रिया अंतिम चरण पर है, बहुत जल्द भूमिपूजन कर काम शुरू होगा। इसके साथ ही नेताजी कन्हैयालाल बाजारी वार्ड में 38 लाख से अधिक की लागत से बने 3 ओपीडी कक्ष और दवा केन्द्र का लोकार्पण हुआ।

सामुदायिक भवन कृष्णनगर में 5 कुंडीय गायत्री महायज्ञ आज

रायपुर। बोरियाखुर्द गायत्री परिवार द्वारा कृष्णनगर स्थित सामुदायिक भवन में 8 फरवरी को हम बदलेंगे युग बदलेगा का नारा को आत्मासात करने के लिए 5 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 10 बजे प्रारंभ होगा। यह जानकारी चतुर सिंह निर्मलकर ने देते हुए बताया कि ऋषि पुत्रों द्वारा जीवन जीने की कला और यज्ञ अनुष्ठानों की महत्ता की जानकारी लोगों को दी जाएगी।

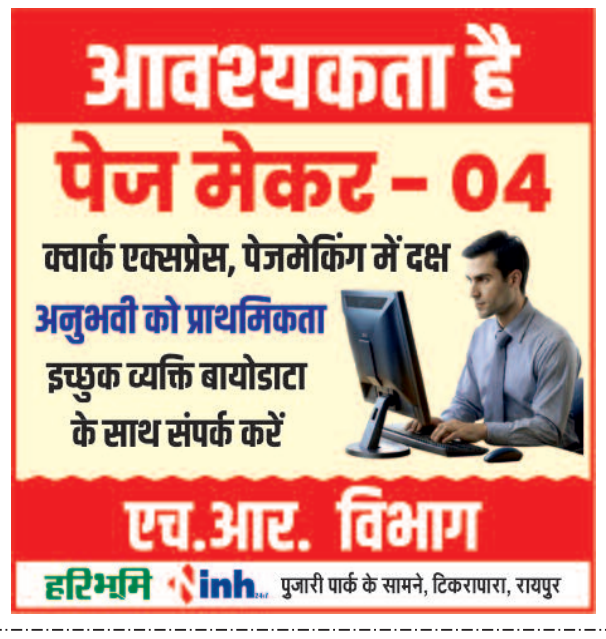

दीपक धनगर को पीएचडी की उपाधि

रायपुर। हेमचंद यादव विवि दुर्ग ने दीपक धनगर को पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। उनके शोध का विषय विद्यार्थियों को बहुबुद्धि का उनकी अधिगम शैली एवं शैक्षिक प्रदर्शन पर प्रभाव का अध्ययन था। उन्होंने अपना शोधकार्य सेक्टर 7 भिलाई नगर कल्याण कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ. के. नागमणि के कुशल मार्गदर्शन में पूरा किया। वे वर्तमान में रावतपुरा सरकार संस्थान कुम्हारी के शिक्षा विभाग में सहायक प्राध्यापक के पद पर कार्यरत हैं।

हरिभूमि

रायपुर, रविवार 8 फरवरी 2026

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

'को-जानी कहां' : पुरुष प्रधान समाज....

लाइव इवेंट

परीक्षा के समय स्वास्थ्य और मानसिक मजबूती भी जरूरी

रायपुर। 5वीं, 8वीं, 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा के लिए तैयारी में जुटे विद्यार्थियों के लिए जितना जरूरी पढ़ाई करना है, उतना ही जरूरी है कि अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। पढ़ाई के साथ ही मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का संतुलन भी बनाएं। शनिवार को संत ज्ञानेश्वर विद्यालय में 12वीं के विद्यार्थियों को अर्थशास्त्र, सामाजिक विज्ञान पढ़ाने वाली शिक्षिका आराधना लाल ने उक्त बातें कही। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए छात्र-छात्राओं को पैकेट फूड से दूरी बनाते हुए और हल्का व संतुलित भोजन करना चाहिए। वहीं बदलते मौसम के बीच खुद की सेहत को लेकर सावधानी बरतनी चाहिए। शिक्षिका ने टिप्स देते हुए कहा कि छात्र-छात्राओं को नियमित अध्ययन, प्रापर टाइम टेबल और रिवीजन वर्क पर ध्यान देना चाहिए।

दो पेज लिखकर पेन को निश्चित फ्लो में लेना चाहिए

परीक्षा के एक दिन पहले दिमाग को शांत रखते हुए समय से पहले परीक्षा केंद्र में पहुंचकर अपने स्थान पर पहुंचना चाहिए। परीक्षा में इस्तेमाल किए जाने वाले पेन से एक दिन पहले ही एक-दो पेज लिखकर निश्चित फ्लो में लेना चाहिए, जिससे सिर्फ लिखावट ही बेहतर नहीं होगी, बल्कि लिखने की गति अच्छी बनी रहेगी। परीक्षा कक्ष से बाहर निकलने के बाद कौन-सा प्रश्न छूट गया, क्या लिख पाए- नहीं लिख पाए... बिल्कुल भी नहीं देखना चाहिए, न ही किसी से चर्चा ही करनी चाहिए। बल्कि अगले पेपर के लिए पूरी सकारात्मक ऊर्जा के साथ तैयारी में जुट जाना चाहिए। विद्यार्थियों को कभी निराश नहीं होना चाहिए, क्योंकि अगर कुछ गलती हुई है तो मिलने वाले अवसर हमें उसे सुधारने का मौका भी देंगे।

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी का राष्ट्रीय सम्मेलन, देश-विदेश के दिग्गज कैंसर विशेषज्ञ बता रहे अनुभव

मशीन लर्निंग और रोबोटिक सर्जरी से हार मानेगा कैंसर, अब 'फ्लोरेसेंस गाइडेड सर्जरी' से आसान होंगे जटिल ऑपरेशन

छत्तीसगढ़ आंकोलॉजी एसोसिएशन, क्षेत्रीय कैंसर संस्थान और संजीवनी कैंसर केयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।

रायपुर। यह सम्मेलन छत्तीसगढ़ सहित पूरे मध्यभारत के लिए कैंसर उपचार एवं सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण शैक्षणिक है। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर से 200 से अधिक राष्ट्रीय स्तर के कैंसर सर्जन तथा छत्तीसगढ़ राज्य से लगभग 300 सर्जन भाग लिया है। सम्मेलन में इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुब्रमणेश्वर राव एवं महासचिव डॉ. नरेंद्र होलिकल उपस्थित रहे।

नवीन तकनीकों और उपचार पद्धतियों की चर्चा

सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के तीन प्रतिष्ठित विशेषज्ञ वक्ता भी शामिल हुए हैं, जिनमें एक सिंगापुर से तथा दो दक्षिण कोरिया से आए हुए वरिष्ठ कैंसर सर्जन हैं। सिंगापुर से आए अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त कैंसर सर्जन डॉ. जिमी सो ने गैस्ट्रिक कैंसर के आधुनिक उपचार एवं शल्य चिकित्सा प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा की व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनाई जा रही नवीन तकनीकों और उपचार पद्धतियों की जानकारी साझा की। वहीं दक्षिण कोरिया से आए वरिष्ठ कैंसर सर्जन प्रोफेसर ह्वे-जिन किम ने रेक्टल कैंसर में लैटरल पेल्विक लिम्फ नोड डिसेक्शन कब और कैसे तथा कोलोरेक्टल कैंसर में फ्लोरेसेंस गाइडेड सर्जरी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। इसके अतिरिक्त दक्षिण कोरिया के ही प्रोफेसर सिउंग हो सॉन्ग ने रेक्टल कैंसर सर्जरी के बाद जटिलताओं के जोखिम का मशीन लर्निंग आधारित मूल्यांकन एवं कोलोरेक्टल कैंसर में लैप्रोस्कोपिक बनाम रोबोटिक सहायक सर्जरी (कोलरार अध्ययन) जैसे उन्नत विषयों पर वैज्ञानिक सत्रों को संबोधित किया।

आधुनिक कैंसर सर्जरी पर अनुभव किया साझा

इस राष्ट्रीय सम्मेलन में वरिष्ठ कैंसर सर्जन डॉ. यूसुफ मेमन, डॉ. माउ राय, डॉ. आशुतोष गुप्ता एवं डॉ. अमित वर्मा की प्रमुख भूमिका रही है। इन वरिष्ठ चिकित्सकों ने वैज्ञानिक सत्रों, पैनल चर्चाओं एवं अकादमिक संवाद के माध्यम से आधुनिक कैंसर सर्जरी, नवीन जांच विधियों एवं बहुविषयक उपचार पद्धतियों पर अपने अनुभव साझा किए। वहीं सम्मेलन के आयोजन एवं शैक्षणिक संरचना को सुदृढ़ बनाने में डॉ. जसवंत जैन, डॉ. श्रवण नाडकर्णी, डॉ. अर्पण चतुर्मोहता, डॉ. विवेक पटेल एवं डॉ. विकास अग्रवाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इनके मार्गदर्शन में सम्मेलन के वैज्ञानिक सत्रों को सुव्यवस्थित एवं प्रभावी स्वरूप प्रदान किया गया। सम्मेलन के दौरान सभी प्रकार के कैंसर की नवीन जांच तकनीकों, न्यूनतम चीरा आधारित एवं रोबोटिक शल्य चिकित्सा, तथा बहुविषयक कैंसर उपचार पर विशेष चर्चा की जा रही है। आयोजकों के अनुसार यह सम्मेलन छत्तीसगढ़ के चिकित्सकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा और राज्य में कैंसर उपचार की गुणवत्ता को नई दिशा एवं मजबूती प्रदान करेगा।

सिटी इवेंट

अम्यूज ओ रामा में अब होगी मौज-मस्ती शुरू हुआ आधुनिक वॉटर और थीम पार्क

रायपुर। गर्मी के मौसम में पानी के साथ मौजमस्ती करने इंद्रप्रस्थ स्थित मध्यभारत के सबसे बड़े और आधुनिक वॉटर व थीम पार्क अम्यूज ओ रामा का शनिवार को भव्य उद्घाटन शनिवार को हुआ। इस मेगा प्रोजेक्ट के शुरू होने से अब महानगरों की तर्ज पर मनोरंजन की सुविधा मिलेगी। यह पार्क 8 फरवरी से आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। उद्घाटन समारोह में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, महापौर मीनल चौबे, आरडीए अध्यक्ष नंदकुमार साहू सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने पार्क की आधुनिक सुविधाओं, अत्याधुनिक तकनीक और उच्च सुरक्षा मानकों की सराहना की।

स्वीमिंग पूल में 1500 लोगों की क्षमता

अम्यूज ओ रामा को एक वन-स्टॉप एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया गया है। यहां नॉन-स्टॉप फन, रोमांच, तकनीक और पारिवारिक आनंद का अनोखा संगम देखने को मिलता है। पार्क की दैनिक क्षमता 3000 से 5000 लोगों की है। यहां 1500 लोगों की क्षमता वाला वेव पूल, इंटरनेशनल स्टैंडर्ड स्वीमिंग पूल, लेजी रिवर, किड्स स्लाइड्स और विशेष किड्स जोन मौजूद हैं। पार्क की सबसे बड़ी खासियत देश की पहली ग्लासब्रिज वाटर राइड, मध्यभारत का पहला ड्रॉप टॉवर, भारत की पहली 'क्रोको कार्नेज' वाटर राइड और वाटरपार्क लिफ्ट है, जो वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष सुविधा प्रदान करती है।

भारतीय जीवन-दर्शन का वैज्ञानिक आधार, कर्मकांड नहीं

रायपुर। दलदल सिवनी स्थित शीतल छाया में आयोजित होने जा रहे यजुर्वेद पारायण महायज्ञ (वर्ष–5) के संदर्भ में वैदिक विद्वान डॉ. कमल नारायण ने कहा कि यज्ञ को केवल धार्मिक कर्मकांड के रूप में देखना इसकी वैदिक और वैज्ञानिक व्यापकता को सीमित करना है। यज्ञ भारतीय जीवन-दर्शन का वह वैज्ञानिक आधार है, जो प्रकृति, मनुष्य और समाज के बीच संतुलन स्थापित करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यज्ञ की अग्नि, औषधीय सामग्री और वैदिक मंत्रों से उत्पन्न सुगंधित वातावरण न केवल पर्यावरण को शुद्ध करता है, बल्कि मन, प्राण और चेतना पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है। यज्ञ का उद्देश्य मानसिक संतुलन, सकारात्मक ऊर्जा का संचार, संयम और त्याग की भावना का विकास तथा सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करना है, जो आज के तनावग्रस्त और भौतिकतावादी जीवन में अत्यंत प्रासंगिक है।

केवल अग्नि में आहुति देने की क्रिया नहीं

इस अवसर पर सुप्रसिद्ध वैदिक चिंतक आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि यज्ञ का दर्शन व्यक्ति को संकीर्ण 'मैं' की भावना से निकालकर व्यापक 'हम' की चेतना से जोड़ता है। यज्ञ केवल अग्नि में आहुति देने की क्रिया नहीं, बल्कि जीवन में अनुशासन, सेवा, कर्तव्यबोध और सामूहिक मंगल की भावना को स्थापित करने की वैदिक प्रक्रिया है। उन्होंने डॉ. कमल नारायण के वैचारिक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके सतत प्रयासों से यज्ञ को आध्यात्मिक, सामाजिक और वैज्ञानिक चेतना के समन्वित स्वरूप में समझने की दृष्टि विकसित हो रही है, जिससे वैदिक ज्ञान परंपरा नए संदर्भों में पुनः प्रतिष्ठित हो रही है और युवा पीढ़ी भी इससे प्रेरणा प्राप्त कर रही है।

खेलकूद में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा, ग्रीन हाउस चैंपियन

रायपुर। रॉयल पब्लिक स्कूल का चार दिवसीय वार्षिक खेलकूद समारोह अत्यंत उत्साह और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। विद्यालय के निदेशक मोहसीन उस्मानी और उप-प्रधानाचार्या एएस पीटर की उपस्थिति में भव्य समारोह का शुभारंभ मार्चपास्ट और खेल शपथ के साथ हुआ। खेल शिक्षक ताहा सैफी और सुश्री अनुसुईया पटेल के कुशल निर्देशन में प्री-प्राइमरी से लेकर 12वीं तक के छात्रों ने भाग लिया। नन्हे बच्चों ने बैलून और फ्रॉग रेस में तो सीनियर छात्रों ने कबड्डी, शॉट पुट और लॉन्ग जंप में अपनी प्रतिभा दिखाई।

सोमेश, रुजैना, ऋषभ, तमन्ना दीप, सुफियान और मिनाहिल जैसे कई विद्यार्थियों ने अपने-अपने वर्गों में बाजी मारी। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन और अनुशासन के चलते ग्रीन हाउस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। हाउस कैप्टन अज्ञान-अरहमा (ग्रीन), समद-लक्ष्मी (ब्लू), सुफियान-आलिया (रेड) और साहिल-रिनाज (येलो) ने अपनी टीमों का बेहतरीन नेतृत्व किया। समापन समारोह में विजेताओं को ट्रॉफी और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने इस सफल आयोजन के लिए सभी शिक्षकों और कर्मचारियों के सहयोग की सराहना की।

बीमारियों की रोकथाम और उपचार विधि की दी जानकारी

रायपुर। माता अमृतानंदमयी अम्मा मठ, शाखा रायपुर द्वारा शनिवार को आधार पब्लिक स्कूल फेकारी दुर्ग में सुबह 11 बजे से निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इसमें अंचल के वरिष्ठ चिकित्सकों, फिजीशियन डॉ. मोहन लाल अग्रवाल, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. गोवर्धनन मारन और फिजिकल हेल्थ कंसल्टेंट डॉ. हर्षिता शुक्ला ने अपनी सेवाएं दी। इस शिविर में आए लाभार्थियों का चेकअप कर रोकथाम के उपाय, उपचार विधि और स्वास्थ्य लाभ के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा मार्ग दर्शन और सुझाव दिया गया। प्राकृतिक और स्वस्थ जीवन शैली के बारे में जानकारी भी दी गई। शिविर में फेकारी और आसपास के क्षेत्रों से लगभग 150 नागरिकों की उपस्थिति रही। वरिष्ठ नागरिक, महिलाए, बच्चे एवं जरूरतमंद लोग विशेष रूप से लाभान्वित हुए। माता अमृतानंदमयी मठ रायपुर इकाई की प्रतिनिधि डॉ. रेशमा श्रीवास्तव ने बताया कि माता अमृतानंदमयी मठ द्वारा समाज सेवा की यह पहल स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और लोगों को निःशुल्क चिकित्सा उपलब्ध करवाने के लिए की गई थी।

छत्तीसगढ़ स्टेट वॉलीबॉल एसोसिएशन और फिजियोथेरेपिस्ट एसोसिएशन के बीच अहम समझौता

अब चोट से नहीं रुकेगा खेल, मैदान पर ही खिलाड़ी को मिलेंगे फिजियोथेरेपिस्ट

कार्नर न्यूज

37वां फेडरेशन कपः राजस्थान के हाथों छत्तीसगढ़ की हार, रेलवे और तमिलनाडु ने सीधे सेटों में जीते मैच

रायपुर। 37वें फेडरेशन कप के पांचवे दिन शनिवार को रोमांचक, लेकिन एकतरफा मुकाबले देखने को मिले। महिला और पुरुष दोनों वर्गों में विजेता टीमों ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को सीधे सेटों में (3-0) से हराकर अपना दबदबा कायम रखा। दिन का पहला मुकाबला महिला वर्ग में राजस्थान और छत्तीसगढ़ के बीच खेला गया। उम्मीद थी कि छत्तीसगढ़ की टीम घरेलू मैदान पर कड़ी टक्कर देगी, लेकिन राजस्थान के आक्रामक खेल के आगे वे टिक नहीं सके। राजस्थान ने यह मैच एकतरफा अंदाज में 3-0 से जीता। सेटों का स्कोर 25-16, 25-10, 25-09 रहा। पांचवे दिन कार्यक्रम में बतौर अतिथि हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने मैच देखते हुए खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

25 दिनों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का आयोजन बनी मिसाल

37वें फेडरेशन कप वॉलीबॉल टूर्नामेंट में एक खास नजारा देखने को मिला, जब बीजापुर जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्र से आए बच्चे मैच का आनंद लेने पहुंचे। छत्तीसगढ़ स्टेट वॉलीबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश गागड़ा ने बताया कि यह प्रतियोगिता पहले केरल में प्रस्तावित थी। जब छत्तीसगढ़ को इसकी मेजबानी मिली तो तैयारी के लिए महज 25 दिन शेष थे। इतने कम समय में अंतर्राष्ट्रीय नियमों के अनुरूप आयोजन करना एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन यह प्रयास सफल रहा और देशभर के खिलाड़ियों के लिए यह एक बड़ा मंच साबित हुआ। श्री गागड़ा ने कहा कि इस आयोजन से छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर मिला है। भविष्य की योजनाओं पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि जल्द ही गांवों में 'टैलेंट हंट' शुरू किया जाएगा। इसके तहत कोच के माध्यम से जिलों और गांवों से छिपी हुई प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा।

पुरुष वर्ग में तमिलनाडु का जलवा

दूसरे मैच में भारतीय रेलवे का मुकाबला इंडियन यूनिवर्सिटी से हुआ। अनुभवी भारतीय रेलवे की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंडियन यूनिवर्सिटी को 3-0 से हराया। पहले दो सेटों में रेलवे ने आसानी से 25-13, 25-08 से जीत दर्ज की, हालांकि तीसरे सेट में यूनिवर्सिटी टीम ने थोड़ा संघर्ष किया, लेकिन रेलवे ने 25-21 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। पुरुष वर्ग में तमिलनाडु और पंजाब के बीच जोरदार टक्कर की उम्मीद थी, लेकिन तमिलनाडु ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए पंजाब को कोई मौका नहीं दिया। तमिलनाडु ने यह मैच 3-0 से जीता। उन्होंने पंजाब को 25-19, 25-21, 25-14 के स्कोर से शिकस्त दी।

वॉलीबॉल खिलाड़ियों को अब मिलेगी वर्ल्ड क्लास मेडिकल सुविधा

छत्तीसगढ़ स्टेट वॉलीबॉल एसोसिएशन ने अपने खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और फिटनेस को नई दिशा देने के लिए एक ऐतिहासिक पहल की है। एसोसिएशन ने 'इंडियन फिजियोथेरेपिस्ट एसोसिएशन' के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस अनुबंध के बाद अब प्रदेश के वॉलीबॉल खिलाड़ियों को मैदान पर ही विशेषज्ञ फिजियोथेरेपी सुविधाएं मिल सकेंगी। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों को चोटों से बचाना और घायल होने पर उन्हें वैज्ञानिक तरीके से 'रिहैबिलिटेशन' (पुनर्वास) प्रदान करना है। अब विशेषज्ञ फिजियोथेरेपिस्ट खिलाड़ियों की फिटनेस का पूरा ध्यान रखेंगे, जिससे न केवल उनका खेल प्रदर्शन सुधरेगा, बल्कि उनका करियर भी लंबा और सुरक्षित रहेगा। यह आधुनिक खेल जगत में एक अनिवार्य आवश्यकता है। इस दौरान भारतीय वॉलीबॉल टीम के मुख्य कोच ड्रैगन और सहायक कोच आशुतोष मिश्रा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सिटी लाइव

प्रसिद्ध संगीत निर्देशक को मिला स्वर्णिम धरोहर लता सम्मान

रायपुर। प्रसिद्ध संगीत निर्देशक उत्तम सिंह को शनिवार की रात श्रीसत्य साई संजीवनी अस्पताल के सभागार में आयोजित एक समारोह में "स्वर्णिम धरोहर लता सम्मान" से उन्हें सम्मानित किया गया। यह आयोजन स्वर्णिम धरोहर लता फाउंडेशन द्वारा किया गया। एसडीएलएफ के संस्थापक मनोज कुमार शर्मा, सीमा सुरक्षा बल के सेवानिवृत्त महानिरीक्षक अखिलेश्वर सिंह ने बताया कि संगीत निर्देशक उत्तम सिंह को प्रसिद्ध पार्श्व गायिका लता मंगेशकर की सात किलो वजनी कांस्य प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र के साथ 1,21,000 रुपए की राशि भेंट की गई। गायन प्रतियोगिता के पांच विजेताओं ने आयोजन में प्रस्तुति देते हुए अवसर को खास बनाने का प्रयास किया, जिसे संगीत प्रेमियों से भी अच्छा रिस्पांस मिला। उत्तम सिंह ने इस अवसर पर उभरते हुए गायकों को सम्मानित किया।

प्रतियोगिता में 40 प्रतिभागियों में पांच गायिकाओं का चयन

प्रतियोगिता में 40 प्रतिभागियों में पांच गायिकाओं का चयन किया गया। कोरबा की भव्य देवांगन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। झारखंड रांची की सोनम पाठक ने दूसरा स्थान और जगदलपुर की प्रथा दुबे ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। केरल के कार्तिक जयराम ने चौथा स्थान प्राप्त किया, जबकि गाजियाबाद के चेनिया विश्वकर्मा ने प्रतियोगिता में पांचवां स्थान जीता। प्रसिद्ध बॉलीवुड गायिका मिताली सिंह, प्रसिद्ध बांसुरी वादक मुरलीधर नागराज, गौरव शर्मा और रामकृपाल नामदेव आयोजन में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रसिद्ध पार्श्व गायक भूपिंदर सिंह को प्रथम स्वर्णिम धरोहर लता सम्मान से सम्मानित किया गया।

● पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में जारी भारत रंग महोत्सव की श्रृंखला में दर्पण रंग समिति ने दी प्रस्तुति

'को-जानी कहां' : पुरुष प्रधान समाज में खुद का अस्तित्व तलाशती नारी की पीड़ा का जीवंत मंचन

'पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में जारी भारत रंग महोत्सव की श्रृंखला में शनिवार की शाम 7 बजे कटनी की संस्था दर्पण रंग समिति द्वारा दर्शकों के बीच एक महीने की मेहनत और गांव के नवोदित कलाकारों को मांजते हुए संवाद अदायगी का निर्देशन अन्नपूर्णा और को-जानी कहां? के लेखक दुर्गेश सोनी ने पुरुष प्रधान समाज में खुद का अस्तित्व तलाशती नारी पीड़ा को संवादों के जरिए जीवंत किया। इसे देखने के बाद दर्शकों ने न केवल प्रस्तुति को सराहा, बल्कि इससे जुड़े सवाल भी किए, जिसका जवाब नाट्य श्रृंखला से जुड़े लोगों ने दिया।'

"बिरसा" की प्रस्तुति आज, दिखेगा जीवन दर्शन

भारत रंग महोत्सव के अंतर्गत अंतिम दिवस पर आज एक विशेष नाट्य प्रस्तुति "बिरसा" का मंचन किया जाएगा। यह नाटक महान जननायक बिरसा मुंडा के जीवन एवं उनके संघर्षों पर आधारित है। इसमें जल, जंगल, जमीन, अपने धर्म, अपनी संस्कृति की गरिमा की रक्षा के लिए उनके आंदोलन और विचारों को प्रभावशाली रंग मंचीय रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। इस नाटक की तैयारी 21 बच्चों को निशुल्क रेजिडेंशियल वर्कशॉप के अंतर्गत प्रशिक्षण दिया गया। इसमें हरियाणा, सूरत, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों को अंजोर लोककला मंच के माध्यम से रंगमंच की बारीकियों एवं कलात्मक गुणों की शिक्षा प्रदान की गई। इसकी निर्देशक गरिमा दिवाकर और कोच भुवनेश्वर महिलाने हैं।

रायपुर। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय नई दिल्ली द्वारा आयोजित भारत रंग महोत्सव की श्रृंखला में अन्नपूर्णा सोनी और दुर्गेश सोनी ने समाज में पुरुष प्रधान समाज में नारी की पीड़ा तथा उसके ऊपर उठाए जाने वाले सवाल एवं लगाई जाने वाली बंदिशों पर चोट करते हुए "को-जानी कहां?" की धारणाओं से गुंथे ताने-बाने को सहेजते हुए संवाद में बघेली लहजे में संवादों का क्रम दर्शकों के बीच शुरू होता है। जहां "को-जानी कहां?"अर्थात कौन जाने कहां, इस शब्द के मायने तलाशती नारी वेदना की प्रतीक अन्नपूर्णा के निर्देशन में संवादों ने इस भाव को प्रकट किया, जहां नारी वेदना का कोई भी ओर-छोर दिखाई नहीं देता। नाटक की सूत्रधार 'बुढ़िया' उस दुनिया की तलाश में है जहां रूढ़ियां, घूंघट और बेड़ियां न होंजहां स्त्रियां देवी या खिलौना नहीं, बल्कि एक सामान्य इंसान की तरह जीवन जी सकें। अपनी यात्रा में वह जुगुन्ति, चम्पा और कई औरतों की कहानियों से गुजरती है।

गांव की नारी पीड़ा को कलाकारों ने किया जीवंत

नाटक के लेखक दुर्गेश और निर्देशक अन्नपूर्णा ने बताया कि हमने गांव में रहने वाली महिलाओं की पीड़ा को नाट्य मंचन के माध्यम से जब दिखाने का निर्णय लिया, तब एक ही बात मन में थी, अगर इसे गांव के नवोदित कलाकारों से करवाया जाए तो क्या खूब होगा। इसके बाद हमने टीम वर्क किया, एक महीने की कार्यशाला में आशुरचनाओं के माध्यम से गांव की सच्ची घटनाओं पर आधारित यह नाटक पुरुष प्रधान समाज में स्त्रियों की स्थिति पर तीखा कटाक्ष करें, इसके अनुरुप तैयार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जहां एक ओर स्त्री को देवी मानकर पूजा जाता है, वहीं दूसरी ओर उसे किस तरह से जरूरत की वस्तु समझकर शोषण किया जाता है, इसे दिखाने का प्रयास किया।

संवादों से आसपास के यथार्थ से रूबरू कराया

को-जानी कहां? बघेली फाग, भगत, कजरी, विवाह गीत और रामचरितमानस की लोकधुनों से कलाकारों ने सजाया। नाटक बघेली क्षेत्र की संस्कृति और परंपरा से जोड़ने में सफल रही। संवादों से अपने आसपास के उस यथार्थ से रूबरू करवाया, जिसे हम देखते हुए भी अक्सर अनदेखा करके आगे बढ़ जाते हैं। इस नाटक का समापन होने के बाद दर्शक दीर्घा में कई तरह की जिज्ञासा लिए बैठे नवोदित कलाकारों द्वारा किए गए सवाल-जवाब का सिलसिला शुरू हुआ। इसमें लोगों प्रस्तुति नाटक के लिए पात्रों के चयन से लेकर किरदार के अनुरुप तैयार करने में किस तरह रिहर्सल से जोड़ा, यह भी जानने का प्रयास किया।

धर्म लाइव

ब्रह्मलोक आश्रम में योग गुरु के आज आशीर्वचन

रायपुर। विश्व जागृति मिशन की उपाध्यक्ष डॉ. अर्चिका रविवार 8 फरवरी को परसदा स्थित ब्रह्मलोक आश्रम में श्री कैलाश मानसरोवर निर्माण के लिए आशीर्वचन प्रदान करेंगी। यह आयोजन कुम्हारी स्थित आश्रम में सुबह 10 बजे शुरू होगा। इसमें प्रदेशभर से आने वाले श्रद्धालु भाग लेंगे। मिशन के मीडिया प्रभारी अश्विनी विग ने बताया कि डॉ. अर्चिका दीदी आध्यात्मिक एवं योग गुरु हैं। वह विश्व जागृति मिशन के संस्थापक सुधांशु महाराज की सुपुत्री हैं। डॉ. अर्चिका ज्ञान एवं अध्यात्म के माध्यम से लोगों में ज्ञान, शांति और प्रेम की ज्योति जगा रही हैं। वे ज्ञान एवं आध्यात्म सत्र में लाखों लोगों को एक सार्थक जीवन जीने की प्रेरणा प्रदान कर रही हैं। उनका संपूर्ण जीवन मानवता के कल्याण को समर्पित है।

मानव मूल्यों को सुदृढ़ करने के लिए काम कर रही

उन्होंने अभी तक 500 से अधिक राष्ट्रीय और 300 से ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय ध्यान शिविर के साथ-साथ कई आध्यात्मिक सत्रों और गीता की व्याख्या की है। वह विश्व जागृति मिशन की उपाध्यक्ष के रूप में विभिन्न प्रयासों के माध्यम से इस धरा पर प्रेम, शांति, बंधुतत्व और मानवता, करुणा, परोपकार एवं सद्भावना के मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में अभूतपूर्व काम कर रही हैं। वर्तमान में उनके सान्निध्य में महिलाएं एवं बाल कल्याण, पर्यावरण संरक्षण, उत्तम स्वास्थ्य, शिक्षा के क्षेत्र में कई योजनाओं का सफल संचालन किया जा रहा है।

सृष्टि के प्रारंभ और आध्यात्मिक चेतना में मनु शतरूपा के जीवन दर्शन पर सम्मेलन में मंथन

कृष्णा नगर में तीन दिवसीय अध्यात्म विज्ञान सम्मेलन

रायपुर। सृष्टि के प्रारंभ और आध्यात्मिक चेतना के विकास में मनु-शतरूपा के जीवन दर्शन को विज्ञान की तरह समझने एवं समझाने की जरूरत है। कृष्णा नगर में तीन दिवसीय अध्यात्म विज्ञान सम्मेलन में कुछ ऐसे ही विषयों पर सम्मेलन में मंथन किया गया। इस भव्य 'अध्यात्म विज्ञान सम्मेलन' में पहले दिन विद्वान वक्ताओं और भारी संख्या में उपस्थित अध्यात्म प्रेमियों के संगम ने सत्संग के वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इनके बीच मनु-शतरूपा प्रसंग पर विशेष व्याख्यान किया गया। सम्मेलन में मुख्य वक्ता और उपदेशक राजेंद्र क्षत्री ने 'मनु-शतरूपा' के प्रसंग पर अपना विशेष वक्तव्य प्रस्तुत किया। उन्होंने सृष्टि के प्रारंभ और अध्यात्मिक चेतना में मनु-शतरूपा के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि किस तरह से मानवीय मूल्यों और धर्म की स्थापना में उनका योगदान रहा है। उनके सारगर्भित व्याख्यान ने श्रोताओं को आत्म-चिंतन के लिए प्रेरित किया।

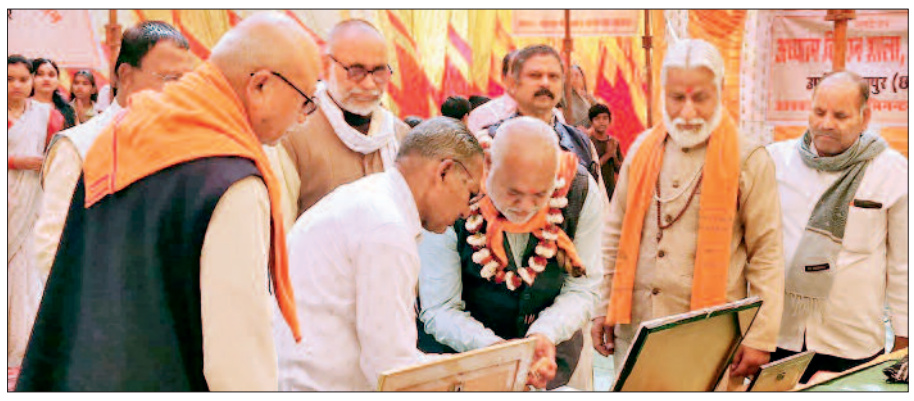

वक्ताओं और संचालकों ने सम्मेलन में किया संवाद

विद्वानों और धर्मप्रेमियों के समागम में आध्यात्मिक उत्सव का हिस्सा बनने के लिए देश के विभिन्न केंद्रों से आए प्रबुद्ध वक्ताओं और संचालकों ने सम्मेलन में संवाद किया। इनमें मुख्य रूप से आचार्य राजेंद्रानंद संचालक, आध्यात्मिक विज्ञान उपकेंद्र इंदौर के साथ ही स्वरूपानंद संचालक उमरपोटी उपकेंद्र से आयोजन का हिस्सा बनने के लिए धर्मप्रेमियों के बीच उपस्थित थे। निर्विकल्पानंद कानपुर, खेमलाल साहू, अध्यक्ष अध्यात्म विज्ञान शाला उपकेंद्र रायपुर ने संवाद से सम्मेलन को सार्थक बनाने में अहम भूमिका निभाई। वहीं मां नर्मदा की आरती के साथ प्रथम दिन का समापन भक्तिभाव के साथ किया गया। लोगों ने मां नर्मदा की भव्य आरती के बाद प्रसाद वितरण किया। आयोजन समिति ने बताया कि आगामी दो दिनों में अध्यात्म के गूढ़ रहस्यों पर विद्वान वक्ता प्रकाश डालेंगे।

आईटीआई कॉलेज में हुई जिला स्तरीय संवेदनशीलता कार्यशाला

रायपुर। आरएएमपी योजना के अंतर्गत शासकीय आईटीआई कॉलेज माना में जिला स्तरीय संवेदनशीलता कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन निटकॉन लिमिटेड द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य औदयोगिक विकास निगम (सीएसआईडीसी) के सहयोग से किया गया। कार्यशाला में एचडीएफसी बैंक से लोकेश वर्मा एवं अमित कुमार (लोन विभाग) द्वारा बैंकिंग एवं ऋण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को आरएएमपी योजना, एमएसएमई तथा स्वरोजगार के अवसरों के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यशाला का संचालन मास्टर ट्रेनर विश्वास तिवारी द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम आईटीआई कॉलेज के पूर्णानंद साहू के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें कुल 30 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। निटकॉन लिमिटेड से हनुमंल राव एवं अभिजीत श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

देवांगन समाज ने हर्षोल्लास से मनाया परमेश्वरी महोत्सव

रायपुर। देवांगन समाज ने अपनी संस्कृति एवं परंपरा को बनाए रखते हुए बेंगलुरू में परमेश्वरी महोत्सव का आयोजन किया। ईष्ट देवी माता परमेश्वरी की सामूहिक पूजा अर्चना कर उत्सव मनाया। समाज के घनश्याम कुमार देवांगन ने अपनी संस्कृति एवं परंपरा से जुड़े रहने की सराहना करते हुए आयोजकों एवं समाज के लोगों को बधाई प्रेषित की। समारोह के आरंभ में गीना देवी ने माता परमेश्वरी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित कर महोत्सव का शुभारंभ किया। मनीषा देवांगन, मेघा देवांगन, चांदनी देवांगन एवं श्वेता देवांगन के नेतृत्व में सभी ने मां परमेश्वरी की आरती की। स्वागत उद्बोधन मनीष प्रियंका देवांगन ने दिया।

कैंपस लाइव

वाणिज्य, विज्ञान और कला में डिप्लोमा कोर्स कर सकेंगे युवा

रायपुर। द आईसीएफएएआई यूनिवर्सिटी ने प्रवेश विवरण जारी करते हुए शनिवार को वाणिज्य, विज्ञान, कला संकाय और कानून के क्षेत्र में बेहतर करियर निर्माण का अवसर देने डिप्लोमा कोर्स शुरू करने की जानकारी दी। प्रेस क्लब में वार्ता को संबोधित करते हुए यूनिवर्सिटी के वाइस-चासलर प्रो. शिव दयाल पांडे ने बताया कि यूनिवर्सिटी विज्ञान तथा तकनीकी के क्षेत्र में नवाचार, शोध, कानूनी पाठ्यक्रम जैसे सभी क्षेत्रों में छात्रों को तैयार करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है, ताकि वे अपने नियमित अकादमिक प्रदर्शन के अलावा सभी क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

विदेशी भाषा प्रयोगशाला स्थापित करने की योजना

उन्होंने बताया कि प्रबंध, वाणिज्य, विज्ञान, कला और कानून के क्षेत्र में करियर ओरिएंटेड, प्रोफेशनली तैयार किए गए दो से चार साल में (ऑनर्स) स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा करते हुए बताया कि न्यूनतम शुल्क में कोर्स करवाने के साथ ही युवाओं को करियर के लिहाज से तैयार करने का दायित्व आगे भी निभाने का प्रयास किया जाएगा। यूनिवर्सिटी ने स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए एक इक्यूबेशन तेटर और छात्रों को अंतरराष्ट्रीय नौकरी के अवसरों के लिए तैयार करने के लिए विदेशी भाषा प्रयोगशाला स्थापित करने की योजना बनाई है।

धार्मिक महत्ता से जुड़े खरमास के खत्म होने ही मांगलिक आयोजनों का शुरू हुआ सिलसिला, सज रही है लग्न वेदी

लग्न मंडप सजाने अब दो महीने में मिलेंगे 13 मुहूर्त पार्क-होटल और मैरिज हॉल में फिर लौटेगी रौनक

कार्नर न्यूज

रायपुर। धार्मिक महत्ता से जुड़े खरमास का 13 दिसंबर से 31 जनवरी के बीच रहा प्रभाव खत्म होते ही मांगलिक आयोजनों का सिलसिला शुरू हो गया है। इस बार लोगों को फरवरी और मार्च में 13 मुहूर्त मिलेंगे। इससे एक बार फिर से मैरिज पार्क, होटल और मैरिज हॉल में रौनक लौटने वाली है। सीमित मुहूर्त को देखते हुए लोगों ने पहले ही मांगलिक आयोजन के लिए मैरिज हॉल और भवनों की बुकिंग करा लिए हैं। लग्न वेदी सजाने के लिए सामाजिक संगठनों ने तैयारी शुरू की है। अलग-अलग समाज के लोगों ने इस बार भी होली के पहले और बाद में आदर्श विवाह का आयोजन करने के लिए तिथि तय की है। पं. मनोज शुक्ला ने बताया कि फरवरी में ही 8,10, 12,14, 19, 20 और 21 को मांगलिक आयोजन के लिए मुहूर्त है।

अनुष्ठान और देव आराधना का विधान

संस्कृत के प्रचारक धर्मशास्त्री पं. चंद्रभूषण ने बताया कि लोगों को अप्रैल महीने में 15, 20, 21, 25, 26, 27, 28, 29 और 30 को शुभ मुहूर्त मिलेंगे। मई में भी 1, 3, 5, 6, 7, 8, 10 और 14 को सभी तरह के मांगलिक आयोजन और शुभ कार्य किए जा सकेंगे। इसके बाद 17 मई से 15 जून तक अधिमास प्रभावी होगा। इस दौरान धार्मिक अनुष्ठान के साथ ही देव आराधना का विधान किया जाता है। इस दौरान भी मांगलिक आयोजन नहीं किए जा सकेंगे। इससे शादी और सगाई कार्यक्रम नहीं किए जा सकेंगे।

होलाष्टक के प्रभाव से नहीं मिलेंगे मुहूर्त

उन्होंने बताया कि इस बार रंगों का महापर्व होली 4 मार्च को मनाया जाएगा। इसके चलते होलाष्टक का सूतक 24 फरवरी से 3 मार्च तक प्रभावी रहेगा। इस बीच में 24, 25 और 26 फरवरी, 1 और 3 मार्च को मुहूर्त होने के बाद भी विवाह समारोह नहीं होंगे। इससे लोगों को मांगलिक आयोजन के लिए पांच मुहूर्त नहीं मिलेंगे। इसके बाद मार्च में ही 4, 7, 8, 9,11 और 12 को वैवाहिक आयोजन किए जा सकेंगे। इसके बाद 14 मार्च से 14 अप्रैल के बीच मीनार्क प्रभावी होने से लोगों को एक महीने तक मुहूर्त नहीं मिलेगा।

देवशयनी से पहले मिलेंगे शुभ मुहूर्त

इसके बाद जून महीने में 19, 22, 23, 24, 26, 27, 28 और 29 के बाद जुलाई में भी 1, 3, 4, 6, 7, 8 और 9 को शुभ तिथि मांगलिक आयोजनों के लिए मिलने वाली है। इसके बाद 16 जुलाई से गुरु अस्त होने के साथ ही चातुर्मास शुरू हो जाएगा। जो 2026 में 20 नवंबर तक प्रभावी रहने वाला है। इस दौरान शास्त्रों में देव आराधना के साथ पूजा-पाठ करने का प्रावधान है। जैन मुनियों द्वारा चार महीने तक अलग-अलग जिनालयों में स्वाध्याय और प्रवचन की श्रृंखला सजाई जाती है।

कल मनाई जाएगी माता जानकी जयंती

पंडितों की मानें तो 9 फरवरी को माता जानकी जयंती मनाई जाएगी। इस अवसर पर दूधाधारी मठ सहित कई मंदिरों में माता जानकी की आराधना के साथ ही उनके जीवन प्रसंगों पर चर्चा होगी। वहीं 15 फरवरी को देवों के देव महादेव की आस्था का पर्व महाशिवरात्रि भक्तिभाव से मनाया जाएगा। महादेव की पूजा-अर्चना और अभिषेक से साथ दिव्य श्रृंगार की परंपरा निभाई जाएगी। इसके बाद होलिका दहन की परंपरा निभाते हुए रंगों का महापर्व मनाया जाएगा। इसके लिए अब होलिका सजाने का सिलसिला तेज हो गया है।

सिटी स्पोर्ट्स

सीनियर वर्ग प्लेट ग्रुप में मुकाबले जारी

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित सीनियर वर्ग प्लेट ग्रुप अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत दूसरे दिन शनिवार को दूसरे राउंड के मुकाबले हुए। दल्ली राजहरा में टीम दुर्ग ने दंतेवाड़ा के विरुद्ध एक पारी एवं 50 रन से जीत के साथ सात अंक प्राप्त किए। बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सिविक सेंटर में टीम रायगढ़ के विरुद्ध कोरिया जिला टीम बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 205 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में रायगढ़ टीम पहली पारी में 123 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में कोरिया जिला टीम दूसरी पारी में 162 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में रायगढ़ ने दूसरी पारी तीन विकेट पर 147 रन बनाए। आरडीसीए रायपुर में हुए मैच में टीम कवर्धा के विरुद्ध धमतरी पहली पारी में 412 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में कवर्धा टीम पहली पारी में 192 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में धमतरी ने दूसरी पारी 8 विकेट पर 140 रन बनाए। राजनांदगांव में हुए मैच में टीम नारायणपुर ने जशपुर के विरुद्ध बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी 143 रन बनाए और टीम आउट हो गई। बल्लेबाजी में जशपुर टीम पहली पारी में 388 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में नारायणपुर ने दूसरी पारी पांच विकेट पर 106 रन बनाए। धमतरी में हुए मैच में टीम कोरबा के खिलाड़ी बस्तर के विरुद्ध बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 146 रन पर आउट हो गए। बल्लेबाजी में बस्तर टीम पहली पारी में 199 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में कोरबा टीम दूसरी पारी में 185 रन पर आउट हो गई। दूसरी पारी में एक विकेट पर 56 रन बनाए। न्यू ग्राउंड कांकेर में बल्लेबाजी करते हुए महासमुंद पहली पारी 286 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में कांकेर टीम पहली पारी में 163 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में महासमुंद टीम दूसरी पारी में 151 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में कांकेर ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 29 रन बनाए।

वॉलीबॉल की छत्तीसगढ़ टीम के लिए चयन ट्रायल आज

भिलाई। द्वितीय सीनियर राष्ट्रीय पुरुष एवं महिला 3-ए साइड वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 13 से 15 फरवरी तक दशहरा मैदान, शांति नगर, भिलाई में किया जाएगा। उक्त राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए छत्तीसगढ़ टीम के चयन (ट्रायल) का आयोजन 8 फरवरी रविवार को सुबह 10:00 बजे किया जा रहा है। इस ट्रायल में भाग लेने के इच्छुक पुरुष एवं महिला वर्ग के खिलाड़ी निर्धारित समय एवं स्थान पर उपस्थित होकर भाग ले सकते हैं। सचिव, छत्तीसगढ़ 3-ए साइड वॉलीबॉल संघ ने यह जानकारी दी।

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी हैंडबॉल के लिए रविवि टीम रवाना

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर की महिला हैंडबॉल टीम ईस्ट ज़ोन/ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी हैंडबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए रवाना हो गई है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 10 फ़रवरी से 14 फ़रवरी तक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नालॉजी मेघालय में आयोजित है। इस राष्ट्रीय स्तर की महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता हेतु गठित टीम में मैनेजर डॉ. अयाज़ अहमद ख़ान एवं कोच डेरहिन ध्रुव की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। टीम की कमान कप्तान योगिता साहू को सौंपी गई है, जबकि रेणुका को उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। टुकेश्वरी, प्रेमलता, अनीता, केश्वरी, ममता हेमा,खुशी,अनामिका,पूजा,चारु,तृप्ति, ऊषा, तनु का चयन हुआ है। टीम के रवाना होने से पूर्व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. राजीव चौधरी तथा निदेशक प्रो. रीता वेणु गोपाल एवं प्रोफेसर सी.डी. आगासे ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी है।

राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा बेसबॉल खिलाड़ियों को मिली किट

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्कूल मैदान में राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता बेसबॉल 19 वर्ष बालक बालिका को किट वितरण बिलासपुर में किया गया। छत्तीसगढ़ टीम के कोच अख्तर खान ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वर्षा शर्मा सहायक संचालक जिला शिक्षा कार्यालय, अखिलेश मेहता एमआईसी हेड, कमलेश यादव सहायक जिला क्रीड़ा अधिकारी, प्रशांत चिपडे, वरिष्ठ व्यायाम शिक्षक साजिद खान मौजूद रहे।

एसिडिटी से आज हर दूसरा व्यक्ति परेशान

बदलते खानपान का हो रहा उल्टा असर, खट्टी डकार और ब्लोटिंग से हैं परेशान तो उठाएं कुछ जरूरी कदम

एसिडिटी और खट्टी डकारें आना एक आम बात है, लेकिन आप इन्हें नियंत्रित भी कर सकते हैं। खानपान में बदलाव करने के अलावा ऐसी कुछ चीजें हैं जिसका सेवन करने से आप पेट की समस्या में राहत पा सकते हैं।

खट्टी डकार पाचन तंत्र की एक आम समस्या है। कई बार गलत खानपान के कारण हमारा शरीर खाने को ठीक से पचा नहीं पाता। इसके कारण गैस, एसिडिटी और खट्टी डकारें आना एक आम बात है। यह न केवल असहजता पैदा करता है, बल्कि पेट में जलन, भारीपन और गैस जैसी परेशानियों को भी बढ़ा सकती है।

आप कुछ भी खाएं या पिएं उसके बाद एकदम से खट्टी डाकर आने से मुंह का स्वाद भी खराब हो सकता है। अगर आप बार-बार पेट की इस समस्या से जूझ रहे हैं, तो कुछ घरेलू नुस्खे आपकी मदद कर सकते हैं।

आज हम आपको चार ऐसी चीजों के बारे में बताएंगे, जिनका नियमित सेवन आपकी पाचन क्रिया को दुरुस्त रख सकता है और खट्टी डकार, गैस व ब्लोटिंग जैसी समस्याओं से राहत दिला सकता है।

डकार आने के कारण-

एसिड रिफ्लक्स- ऐसी स्थिति जिसमें पेट का एसिड गले में वापस चला जाता है, जिससे खट्टा स्वाद

या जलन होती है।

सल्फर युक्त प्रोडक्ट्स - ब्रोकोली, ब्रसेल्स स्प्राउट्स, लहसुन और डेयरी उत्पादों जैसे कुछ खाद्य पदार्थ सल्फर डकार का कारण बन सकते हैं।

तनाव- तनाव और चिंता सल्फर डकार जैसी पाचन संबंधी समस्याओं का कारण बन सकते हैं।

बैक्टीरियल संक्रमण- एच. पाइलोरी जैसे संक्रमण से हाइड्रोजन सल्फाइड की अधिकता हो सकती है, जिससे सल्फर डकार हो सकती है।

खट्टी डकार और ब्लोटिंग को नियंत्रित करने वाली चीजें

अदरक, नींबू और काला नमक- पाचन के लिए अमृत

अदरक में मौजूद जिंजरोल पाचन एंजाइम को सक्रिय करता है, जिससे खाना जल्दी पचता है और गैस नहीं बनती। नींबू में साइट्रिक एसिड होता है, जो पेट की एसिडिटी को नियंत्रित करता है और डाइजेशन में सुधार करता है।

काला नमक, जो एक प्राकृतिक एंटासिड है, पेट की सूजन और गैस को कम करता है। अगर आपको बार-बार खट्टी डकार आती है या पेट भारी लगता है, तो इस नुस्खे को जरूर अपनाएं।

कैसे करना चाहिए सेवन:

इसके लिए आप पहले अदरक को छीलकर उसके छोटे-छोटे टुकड़े काट लें। अब एक कांच की बर्नी में एक चौथाई कप नींबू का रस डालें। इसमें एक चौथाई छोटा चम्मच काला नमक डालकर मिक्स करें। अदरक के टुकड़ों को इस सॉल्यूशम में डालकर डुबोकर रखें। खाने से 10-15 मिनट पहले इसका सेवन करें। इससे खाना पचाने में आपको मदद मिलेगी।

पुदीने की चाय- पेट को ठंडक और राहत देने के लिए

पुदीना एंटी-स्पास्मोडिक गुणों से भरपूर होता है, जो पेट की मांसपेशियों को रिलैक्स करता है और गैस को बाहर

निकालने में मदद करता है। यह एसिड रिफ्लक्स को कम करता है और खट्टी डकार को रोकता है।

इसके नियमित सेवन से पाचन बेहतर होता है और पेट हल्का महसूस होता है। अगर आपका पेट अक्सर फूला रहता है, तो रोज़ाना एक कप पुदीने की चाय पीना फायदेमंद रहेगा।

कैसे करें सेवन:

एक कप पानी में 7-8 ताजी पुदीने की पत्तियां डालें। इसे 5-7 मिनट तक धीमी आंच पर उबालें। हल्का ठंडा होने पर शहद मिलाकर पी लें।

सौंफ- खाना पचाने और गैस कम करने का आयुर्वेदिक तरीका

सौंफ में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो पाचन तंत्र को शांत रखते हैं। इसमें मौजूद एनेथोल गैस, ऐंठन और ब्लोटिंग को कम करता है। यह सांसों की दुर्गंध को भी दूर करता है, जो कई बार खराब पाचन की वजह से होती है। अगर आप खाने के बाद पेट में भारीपन या गैस महसूस करते हैं, तो सौंफ का सेवन जरूर करें।

पौधों पर आधारित भोजन आपके लिए है फायदेमंद

सेहत को ठीक रखने के लिए प्लांट बेस्ड डाइट की काफी चर्चा होती रही है। कई अध्ययन भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि अगर हम सभी प्लांट बेस्ड डाइट का सेवन बढ़ा दें तो कई प्रकार की गंभीर और क्रॉनिक बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

अच्छी सेहत के लिए खान-पान को ठीक रखना सबसे आवश्यक माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, दैनिक आहार में फलों-सब्जियों की मात्रा बढ़ाने, फैट वाली चीजों को कम करने और नमक-चीनी जैसी हानिकारक चीजों का सेवन कम करने से सेहत को कई प्रकार के लाभ हो सकते हैं। सेहत को ठीक रखने के लिए प्लांट बेस्ड डाइट की काफी चर्चा होती रही है। प्लांट बेस्ड डाइट यानी मुख्य रूप से पौधों

से प्राप्त खाद्य पदार्थ जैसे फल, सब्जियां, अनाज, दालें, बीज, और नट्स। इन चीजों को सेहत के लिए कई प्रकार से लाभदायक माना जाता रहा है।

कई अध्ययन भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि अगर हम सभी प्लांट बेस्ड डाइट का सेवन बढ़ा दें तो कई प्रकार की गंभीर और क्रॉनिक बीमारियों से बचाव किया जा सकता है।

प्लांट बेस्ड डाइट के बारे में जानिए

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, प्लांट बेस्ड डाइट का मतलब यह नहीं है कि आप मांसाहार नहीं खा सकते। इसका मतलब है कि आपका भोजन ज्यादातर पौधों से प्राप्त चीजों पर आधारित होना चाहिए। इसमें सब्जियों, साबुत अनाज और फल, बीन्स और सीड्स की मात्रा अधिक होनी चाहिए। अच्छी डाइट के लिए अपनी प्लेट का दो-तिहाई हिस्सा इन प्लांट बेस्ड खाद्य पदार्थों से भरें। शेष एक तिहाई हिस्से में चिकन या मछली जैसे लीन प्रोटीन या टोफू-बीन्स जैसे प्लांट बेस्ड प्रोटीन को शामिल किया जा सकता है।

फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर डाइट

कई शोध इस बात की पुष्टि करते हैं कि आहार में प्लांट बेस्ड चीजों को शामिल करके डायबिटीज, हृदय रोग, ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याओं से बचाव किया जा सकता है। प्लांट बेस्ड डाइट में फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा अधिक होती है, जो दिल की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मददगार माने जाते हैं। यह रक्तचाप को नियंत्रित करने और कोलेस्ट्रॉल स्तर को कम करने में भी सहायक है। इस तरह की डाइट में कैलोरी की भी मात्रा कम होती है। फाइबर की अधिकता होने के कारण आपका पेट भरा रहता है और खाने की इच्छा कम होती है, इससे वजन कम करने में भी मदद मिलती है।

डायबिटीज रोगियों के लिए भी फायदेमंद

प्लांट बेस्ड डाइट में शामिल अधिकतर चीजों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है जो ब्लड शुगर के स्तर को स्थिर रखते हैं और टाइप-2 डायबिटीज के जोखिम को कम करते हैं। शुगर के मरीज इस तरह के डाइट प्लान से लाभ पा सकते हैं।

पाचन स्वास्थ्य में होता है सुधार

इस तरह के डाइट में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है और कब्ज, पेट फूलना, और अन्य पाचन समस्याओं को कम करने में मदद करता है।

अध्ययन बताते हैं कि पौधों पर आधारित आहार से कैंसर के कुछ प्रकारों का खतरा कम हो सकता है, क्योंकि इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइटोकेमिकल्स की अधिकता होती है।

जानें हवन में क्यों जलाया जाता है नारियल

सनातन धर्म में पूजा-पाठ के दौरान नारियल का विशेष महत्व माना जाता है। इसके बिना पूजा अधूरी मानी जाती है। हिंदू धर्म में किसी भी पूजा-पाठ में नारियल का विशेष रूप से प्रयोग किया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि बिना नारियल के पूजा अधूरी मानी जाती है। यहां तक कि शादी और गृह प्रवेश में भी नारियल का खास प्रयोग किया जाता है, लेकिन हवन के दौरान नारियल को जलाने का विशेष महत्व है। आइए इस लेख में ज्योतिषाचार्य पंडित विजयकांत भट्ट से विस्तार से जानते हैं कि हवन में नारियल क्यों जलाते हैं।

सुख-संपन्नता के लिए जलाते हैं नारियल

हवन के दौरान नारियल इसलिए जलाया जाता है, क्योंकि घर में सुख-समृद्धि का आगमन हो। अगर आपके घर में वाद-विवाद की स्थिति बनी रहती है, तो उसे शांत करने के लिए हवन में नारियल विशेष रूप से जलाने की परंपरा है।

भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को नारियल है प्रिय

भगवान श्री हरि विष्णु (भगवान विष्णु मंत्र) और माता लक्ष्मी को नारियल बेहद प्रिय है। इसलिए हवन में नारियल जलाने से उनकी कृपा बनी रहती है और व्यक्ति के जीवन में चल रही सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं।

मनोकामना पूर्ति के लिए जलाते हैं नारियल

अगर आपकी कोई ऐसी इच्छा है। जो मेहनत करने के बाद भी पूरी नहीं हो रही है, तो हवन करने के दौरान उसमें नारियल आखिर में अवश्य जलाना चाहिए और सभी देवी-देवताओं का नाम जरूर लें। इससे आपकी मनोकामना पूरी हो सकती है। इतना ही नहीं ऐसा कहा जाता है कि हवन के दौरान सभी देवी-देवताओं का घर में वास होता है। जिससे घर-परिवार में कभी किसी तरह की परेशानी नहीं आती है।

नकारात्मकता दूर करने के लिए जलाते हैं नारियल

हवन करने के दौरान उसमें नारियल जलाने से नकारात्मकता से छुटकारा मिल सकता है। ऐसा कहा जाता है कि नारियल में एक अलग प्रकार की ऊर्जा होती है, जिसके कारण हवन में उसे जलाने से सभी

नकारात्मकता उसकजे साथ जलकर भस्म हो जाती है और घर में सुख-शांति का आगमन होता है।

नारियल का धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में नारियल का विशेष महत्व है। पौराणिक कथाओं में ऐसा कहा जाता है कि धरती पर नारियल के पेड़ भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी (मां लक्ष्मी मंत्र) ने लगाया था। नारियल के पेड़ को कल्पवृक्ष के नाम से जाना जाता है। उन्हें नारियल बेहद प्रिय है। इसलिए अधिकांश पूजा-पाठ में नारियल का इस्तेमाल खासतौर से किया जाता है।

गुलाब से बने डेजर्ट पर भी आजमाएं हाथ

गुलाब की पंखुड़ियां न केवल खूबसूरती का प्रतीक हैं, बल्कि इनसे बनी मिठाइयां स्वादिष्ट और सेहतमंद भी होती हैं। घर पर ही आसानी से बनाई जा सकने वाली यह मिठाई आपकी मोहब्बत को और भी गहरा कर देगी। इस खास दिन पर गुलाब की पंखुड़ियों से बनी मिठाई खिलाकर आप अपने रिश्ते में मिठास भर सकती हैं और अपने प्यार को एक नया रंग दे सकती हैं। यह रोमांटिक गिफ्ट न केवल स्वाद में लाजवाब होती है, बल्कि दिखने में भी बेहद खूबसूरत लगती है।

गुलाब की खीर

गुलाब की खीर बनाने के लिए सबसे पहले दूध को उबालें और उसमें साफ़ की हुई गुलाब की पंखुड़ियां डाल दें। इलायची पाउडर और चीनी मिलाकर धीमी आंच पर पकाएं। दूध गाढ़ा होने लगे तो आंच बंद कर दें। इसे ठंडा करके ऊपर से कटे हुए बादाम या पिस्ता डालकर सर्व करें।

गुलाब लड्डू

सूखी गुलाब की पंखुड़ियों को दरदरा पीस लें। अब एक बर्तन में खोया को हल्का सा भून लें, उसमें गुलाब पाउडर, नारियल का बुरादा और थोड़ा सा शहद मिलाएं। इस मिश्रण को अच्छी तरह गूंधकर छोटे-छोटे लड्डू बना लें। ये हेल्दी और रोमांटिक मिठाई आपके रोज डे सरप्राइज के लिए एक परफेक्ट विकल्प है।

गुलाब शरबत क्रीम

गुलाब के शरबत में फ्रेश क्रीम मिलाएं और अच्छी तरह फेंट लें। अब इसे कटे हुए ड्राई फ्रूट्स जैसे बादाम, काजू और पिस्ता से सजाएं।

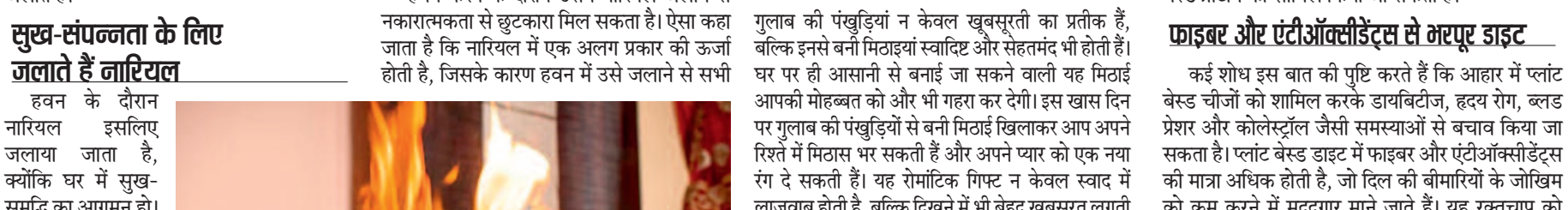

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

एपस्टीन फाइल्स में रैपर जे-जेड समेत हॉलीवुड के बड़े नाम, फैंस हुए हैरान

एपस्टीन फाइल्स से मचे तहलके के बीच अब इसमें कुछ हॉलीवुड सितारों के भी नाम सामने आ रहे हैं। एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि रैपर जे-जेड, पुशा टी और बदनाम डायरेक्टर हार्वे वेनस्टेन के नाम सामने आए हैं, जो एफबीआई को जांच के दौरान टिप में मिले थे। एपस्टीन फाइल्स में हो रहे खुलासों ने पूरी दुनिया को दंग कर रखा है। आए दिन नए नाम सामने आ रहे हैं, इन नामों से जुड़े काले कारनामों को लेकर ऐसे खुलासे हो रहे हैं कि एक पल के लिए इंसानियत से भरोसा उठ जाए। अमेरिकी सेक्स ऑफेंडर और ह्यूमन ट्रैफिकिंग के दोषी जेफरी एपस्टीन की जांच से जुड़ी इस लाखों पन्नों की फाइल में अब तक 4800 से अधकि बार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जिक्र आया है। अब एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, FBI जांच के कुछ नए पन्नों में दिग्गज रैपर जे-जेड और पुशा टी के साथ-साथ बेहद बदनाम हॉलीवुड मुगल हार्वे वेनस्टेन का भी नाम है। बताया जाता है 25 बार ग्रैमी अवॉर्ड जीत चुके जे-जेड का नाम इसमें कई बार आया है। जानकारी के लिए बता दें कि जेफरी एपस्टीन की साल 2019 में हो चुकी है। लेकिन इसके 6 साल बाद अब एपस्टीन की फाइलें दुनियाभर में कई गिरफ्तारियों का कारण बन रही हैं। दर्जनों राजनीतिक दिग्गजों, बिजनेसमैन और नामी-गिरामी पदाधिकारियों के नाम इन फाइलों में आने के कारण तहलका मचा हुआ है। 'एपस्टीन फाइल्स' जेफरी के जीवन और अपराधों के बारे में जांच के दस्तावेज हैं। एपस्टीन फाइल्स मोटे तौर पर 30 लाख पन्नों का दस्तावेज हैं, जो जेफरी एपस्टीन और उसके सहयोगी घिसलेन मैक्सवेल के यौन तस्करी से संबंधित दो आपराधिक जांच से जुड़ा है।

टॉलीवुड

बेटे ने दिया रहमान के बयान पर रिएक्शन,अलग राह की चर्चा

हाल ही में संगीतकार एआर रहमान ने फिल्म इंडस्ट्री में सांप्रदायिकता की ओर इशारा करते हुए एक बयान दिया, जिस पर बहस जारी है। इस मामले पर रहमान ने सफाई दी है। अब 23 साल के एआर अमीन ने अपने पिता के बयान पर प्रतिक्रिया दी है। हाल ही में उनका गाना 'भीगी भीगी' रिलीज हुआ है। इस गाने को एआर रहमान ने कंपोज किया है। इसमें मृणाल ठाकुर और दुलकर सलमान ने अभिनय किया है। एआर अमीन इस गाने से बतौर सिंगर-प्रोड्यूसर जुड़े हैं। इंडस्ट्री को लेकर एआर रहमान की टिप्पणी पर करन सिंह ने जताई आपत्ति; कहा- 'यह बयान देश की छवि को खराब करते हैं'

गाना 'भीगी भीगी' के बारे में एआर अमीन ने बताया 'मेरे पिता ने इस पर काम करने के बारे में बताया था। मुझे यह आइडिया अच्छा लगा। गाने में जसलीन रॉयल की आवाज ने गहराई पैदा की। मुझे लगता है कि इसमें सब कुछ बहुत अच्छे से हुआ है। यह गाना बहुत जल्दी बन गया। इसके प्रोसेस को समझना थोड़ा मुश्किल है।'

अपने पिता से अलग अपनी पहचान बनाने के सवाल पर एआर अमीन ने बताया 'मैं अपना रास्ता खुद बना रहा हूं। मैं हर बातचीत में यही कहता हूं। मैं एकदम अलग रास्ते पर हूं। मैं इस जगह के बारे में और जानना चाहता हूं।' एआर अमीन से जब इंडस्ट्री को लेकर उनके पिता के दिए गए बयान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा 'मैं इस विषय से अलग रहना पसंद करूंगा।' हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को लेकर दिए गए अपने बयान पर एआर रहमान ने सफाई दी है और कहा कि उनका इरादा कभी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था। उन्होंने कहा जो लोग उन्हें जानते हैं, उन्हें किसी सफाई की जरूरत नहीं है। एआर रहमान ने बीबीसी एशियन नेटवर्क से बातचीत में कहा था, 'आजकल फिल्म इंडस्ट्री में लोग रचनात्मक नहीं हैं, वो सही ढंग से फैसला नहीं ले सकते ।

भोजपुरी

पवन ने मनोज को बताया भोजपुरी इंडस्ट्री का 'बॉस', लिखा बेहद खास मैसेज

भोजपुरी सिनेमा जगत के चर्चित एक्टर, सिंगर और भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने एक फरवरी को जन्मदिन मनाया। इस मौके पर तमाम फैंस और सितारों ने उन्हें शुभकामनाएं दी। मगर, भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह ने खास मैसेज लिखा है। बधाई देते हुए पवन सिंह ने मनोज तिवारी को इंडस्ट्री का 'बॉस' कहा।

पवन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने मनोज तिवारी के साथ अपनी फोटो साझा करते हुए लिखा है, 'भोजपुरी इंडस्ट्री के बॉस, सांसद हमारे मनोज तिवारी भैया को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं'। साझा तस्वीर में पवन सिंह और मनोज तिवारी गले मिलते दिख रहे हैं। मनोज तिवारी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से भी एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें वे पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ जन्मदिन का उत्सव मनाते दिख रहे हैं। 11 मूर्ति पर आयोजित जन्मदिन के आयोजन में दूर-दराज से फैंस और कार्यकर्ता उन्हें बधाई देने आए हैं। मनोज तिवारी ने अपने करियर की शुरुआत बतौर गायक की थी। इसके बाद उन्होंने हाफ पैंट वाली से हमरा त लब हो गईल, गोरिया चांद के अजोरियां नियर गोर बाडू हो और गैंग्स ऑफ वासेपुर के लिए 'जिया हो बिहार के लाला' गाया, जो काफी हिट हुए। उनका गाना 'चट देनी मार देत खींच के तमाचा, हीही हंस देले..रिंकिया के पापा', लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ है। अभिनेता ने साल 2004 में फिल्म 'ससुरा बड़ा पईसावाला' से भोजपुरी इंडस्ट्री में डेब्यू किया था।

लौटती सर्दी

यह लौटती हुई सर्दियों का एक ज़रूरी हिस्सा है जो साल के हिसाब से ज़ोरदार तरीके से वापस आता है। लेकिन 2025-2026 के सर्दियों के मौसम के लिए, फर कोट पक्का फैशन में हैं। चाहे टेक्सचर्ड हों, योक से सजे हों, छोटे या लंबे हों, वॉल्यूमिनस हों या सीधे, स्ट्रीटवियर डिटेल्स से सजे हों या वाइल्ड कॉलर वाले हों। फर वाले कपड़े स्टाइलिश लुक के लिए अपनाए जाने चाहिए। सेंट लॉरेंट, डोल्से एंड गब्बाना और प्राडा में देखे गए कुछ डिजाइन फिलहाल ट्रेंड में है।

कैसे कम होगी दोमुंहे बालों की समस्या ? जानें घरेलू नुस्खे

बालों को दोमुंहे होने से बचाने के लिए आप भी एक्सपर्ट द्वारा बताई गईं इन घरेलू टिप्स को ट्राई करके देख सकती हैं। त्वचा की तरह बालों में भी विभिन्न समस्याएं होती है। किसी के बाल रूखे होते हैं, तो किसी के ऑयली। किसी को बालों में वॉल्यूम कम होने की शिकायत होती है, तो किसी को पतले बालों की टेंशन होती है। इन सबके अलावा बालों के दोमुंहे होने की समस्या भी बेहद आम है। यदि आप बालों की ठीक से केयर नहीं कर रही हैं और बालों तक उचित पोषण नहीं पहुंच रहा है तो बालों का दोमुंहा होना तय है। हालांकि, आप इसकी रोकथाम पर काम कर सकती हैं और कुछ घरेलू नुस्खों को अपना कर इस समस्या से मुक्ति पा सकती है। हमने दोमुंहे बालों की समस्या के निदान ब्यूटी एक्सपर्ट रेनू माहेश्वरी से पूछे हैं। रेनू जी कहती हैं, ₹बालों में प्रोटीन की उचित मात्रा पहुंचती रहे तो यह बहुत जरूरी है और हमारी रसोई में ही आपको ऐसे बहुत सारी सामग्रियों मिल जाएंगी, जो बालों पर प्रोटीन ट्रीटमेंट का काम करेंगी।₹

क्या होते हैं दोमुंहे बाल?

बालों की लेंथ के अंत में या उससे कुछ ऊपर, जब एक ही बाल के दो मुंह दिखने लगे, तो इस स्थिति को दोमुंहे बाल कहा जाता है। यह समस्या बालों के लुक को ही खराब नहीं करती है, बल्कि बालों कमजोर बनाती है और कई बार बाल बीच से टूटना शुरू हो जाते हैं। यह स्थिति बालों को बहुत ज्यादा भद्दा दिखाती है।

क्यों हो जाते हैं बाल दोमुंहे?

बालों के दोमुंहे होने के कई कारण होते हैं। यदि आपके बाल बहुत अधिक ड्राई हैं, तो दोमुंहे बालों के होने की संभावना बढ़ जाती है। बालों में आप यदि बहुत अधिक केमिकल ट्रीटमेंट कराती हैं या फिर हीट इक्युपमेंट का इस्तेमाल करती हैं, तो आपको दोमुंहे बालों की दिक्कत हो सकती है। बालों में आप यदि सन प्रोटेक्शन का इस्तेमाल नहीं करती हैं, तो इससे भी आपको दोमुंहे बालों की दिक्कत हो सकती हैं।

दोमुंहे बालों के लिए घरेलू उपाय

सप्ताह में कम से कम आपको 2 बार बालों में नारियल का तेल लगाना चाहिए। इससे आपके बालों में मॉइश्चर भी रहता है और बालों में प्रोटीन की भी उचित मात्रा पहुंच जाती है। बेस्ट है कि आप रात में सोने से पहले बालों में नारियल का तेल लगा लें। इसके बाद आप सुबह बालों को शैंपू से वॉश कर दें। बालें में बादाम का तेल लगाने से भी आपको बहुत फायदे मिलेंगे। इसमें विटामिन-ई प्रचुर मात्रा में होता है, यह बालों के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद होता है। आप इसे बालों में डायरेक्ट भी लगा सकती हैं और चाहें तो ऑलिव या कोकोनट ऑयल में मिक्स करके भी इसे लगा सकती हैं।

वेस्टर्न ड्रेस के साथ ये चूड़ी डिजाइन पहनने के बाद हाथ लगेंगे खूबसूरत

अगर आपको हाथ खाली-खाली नजर आ रहे हैं तो इसके लिए आप वेस्टर्न वियर के साथ आप आर्टिकल में बताए गए चूड़ी डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। वेस्टर्न आउटफिट्स को स्टाइल करना हम सभी को पसंद होता है। इसके साथ हम कई तरह के अलग-अलग डिजाइन के कपड़े और एक्सेसरीज को स्टाइल करते हैं, ताकि आउटफिट भी अच्छा लगे और हमारा लुक भी सबसे अलग नजर आए। लेकिन हाथों में हम सिर्फ घड़ी ही पहनते हैं। इस बार घड़ी को हटाकर हाथों में आर्टिकल में बताई गई चूड़ियों को ट्राई करें। इससे आपके हाथों की सुंदरता में चार चांद लग जाएंगे।

हैंडकफ बैंगल्स

आप वेस्टर्न ड्रेस के साथ हैंड कफ बैंगल्स वियर कर सकती हैं। इस तरह की बैंगल्स दिखने में काफी स्टाइलिश लगती हैं लेकिन पहनने के बाद लुक को एलीगेंट बना देती हैं। इसमें एक के साथ साड़ी चूड़ियां जुड़ी हुई होती हैं। जिसे आप जाल भी कह सकते हैं। इसे आप कड़े की तरह हाथों में डाल सकती हैं और हाथों में स्टाइल कर सकती हैं। इस तरीके की चूड़ियां आपको मार्केट में 100 से 200 रुपये में मिल जाएगी।

गोल्डन बैंगल्स सेट

गोल्डन चूड़ियों को भी आप वेस्टर्न ड्रेस के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की चूड़ियां गाउन, वन पीस ड्रेस यहां (ऑक्सीडाइज्ड बैंग्लस) तक की जींस और टॉप के साथ अच्छी लगती हैं। इसमें आप चाहे तो सिल्वर कलर के चूड़ी के ऑप्शन को भी ट्राई कर सकती हैं, इसमें जो चूड़ियां मिलती हैं वो मेटल में आती हैं इसलिए ये ज्यादा लंबे समय तक चलती हैं। मार्केट से ये आपको 200 से 250 रुपये में मिल जाएगी।

कोड़ी वाली चूड़ियां

अगर आप कुछ बोहो स्टाइल की वेस्टर्न ड्रेस वियर कर रही हैं तो इसके साथ आप कोड़ी बैंगल्स को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के डिजाइन (कड़ा डिजाइन) की चूड़ियां आजकल काफी ट्रेंड में है। इसमें आपको मल्टीकलर कोड़ी और व्हाइट हर तरह की कोड़ी मिल जाएगी। जिसे आप अपने आउटफिट के साथ मैच करके वियर कर सकती हैं। ट्रेंड में होने की वजह से ये आपको मार्केट में काफी ज्यादा रेट पर मिलेगी।

फ्रंट नेकलाइन के लिए ट्राई करें ब्लाउज के ये डिजाइंस, लुक लगेगा खूबसूरत

ब्लाउज आजकल हर एक आउटफिट के साथ स्टाइल किया जाता है। चाहे वो ओपन जैकेट वाले आउटफिट्स हो या फिर साड़ी। इसके लिए अलग-अलग डिजाइन को ट्राई करते हैं। कई बार ऐसा होता है कि रेडीमेड ब्लाउज खरीदने पर हमें उसमें सेम डिजाइन मिलते हैं। जिन्हें वियर करके हम बोर हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप कुछ नए डिजाइन को ट्राई करें, जिसमें फ्रंट नेक का डिजाइन अलग तरीके से बनाया हो, इसके लिए आप आर्टिकल में बताए गए डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं और ब्लाउज को सिलवाते समय कुछ नया डिजाइन क्रिएट करा सकती हैं।

इल्यूजन ब्लाउज डिजाइन

इल्यूजन के जरीए चीजें दिखती हैं ऐसा कई बार सुना होगा। लेकिन ब्लाउज में भी इस तरह के डिजाइन को भी क्रिएट किया जाता है। इसके लिए मोटे फेब्रिक का इस्तेमाल करके नीचे के ब्लाउज को तैयार किया जाता है। फिर नेक पर नेट का इस्तेमाल करके इसे राउड नेक की तरह डिजाइन किया जाता है। इस तरीके के ब्लाउज को इल्यूजन ब्लाउज डिजाइन कहते हैं। इसमें आप चाहे तो सिंपल नेट ले सकती हैं वरना वर्क वाली नेट भी आपको मिल जाती है, जिससे आप ब्लाउज तैयार करा सकती हैं।

लीफ ब्लाउज डिजाइन

ऐसा जरूरी नहीं है कि सिर्फ ब्लाउज के बैक पर ही डिजाइन क्रिएट किया जाता है।

मेकअप करने के बाद चेहरे पर होने लगती है खुजली, तो एक्सपर्ट से जानिए क्या है वजह

हर लड़की को मेकअप करना काफी पसंद होता है। इसलिए वो अलग-अलग तरीके के प्रोडक्ट को खरीदती हैं और उन्हें ट्राई करती हैं। कई बार ऐसा होता है कि वो महंगे-महंगे प्रोडक्ट को खरीदती हैं ताकि जब चेहरे पर अप्लाई करें तो वो खूबसूरत नजर आए। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि मेकअप के इस्तेमाल के बाद चेहरे पर खुजली होनी शुरू हो जाती है, जिसे हम इग्नोर कर देते हैं। मगर आपको ऐसा बिल्कुल भी नहीं करना है, वरना आपकी स्किन डैमेज हो सकती है, साथ ही आपको तुरंत एक्सपर्ट की सलाह लेनी चाहिए।

ऐसे ही एक एक्सपर्ट ने अपनी राय हमारे साथ शेयर की जिनका नाम शीना जे कौर है, आपको बता दें कि ये एक फेमस मेकअप आर्टिस्ट हैं जो अक्सर ऐसी वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं। आप भी जानें इनके बताए गए तरीके।

स्किन टाइप का रखें ध्यान

जब भी आप मेकअप खरीदने जाएं तो सबसे पहले इस बात का ध्यान रखें कि वो किसी ब्रांड का हो। ऐसा इसलिए क्योंकि लोकल प्रोडक्ट के इस्तेमाल से आपकी स्किन पर एलर्जी हो सकती है। इन्हें लगाने के बाद खुजली और जलन पैदा हो सकती है। ऐसे में जरूरी है कि आप स्किन टाइप का ध्यान रखकर ही प्रोडक्ट की खरीदारी करें, ताकि जब आप स्किन पर इसे अप्लाई करें तो उसके बाद खुजली महसूस न हो।

ब्रश को रखें साफ

मेकअप करने के लिए हम ब्लेंडर और ब्रश का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इन्हें साफ करना अक्सर भूल जाते हैं। लेकिन ऐसी गलती (मेकअप टिप्स) न करें इससे आपकी स्किन डैमेज हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि आप एक बार मेकअप करने के बाद ब्रश को अच्छे से साफ करें।

कार्नर न्यूज

तैयारी वैलेंटाइन डे की, जान लें जरूरी टिप्स

बनाएं खुद को अट्रैक्टिव और फैशन के जादू से अपनी लेडी लव को लाएं करीब

पुरुष कैसे कपड़े पहनें जो लड़कियों को देखने में अट्रैक्टिव लगें? ज्यादातर पुरुषों के दिमाग में ऐसे सवाल आते हैं। क्योंकि हम अच्छी तरह से ड्रेस अप अपने आप को निखारने के लिए करते हैं। यही बात आपको हजारों की भीड़ में किसी के लिए खास बना देती है। इसलिए फैशन सेंस को महत्वपूर्ण माना जाता है। खासकर, अगर आप डेटिंग की सोच रहे हैं या अपनी क्रश को इंप्रेस करना चाहते हैं तो ये और भी महत्वपूर्ण बन जाता है। क्योंकि आप उसके करीब रहना चाहते हैं और उसे अपने पास बनाए रखना पसंद करते हैं। मगर अपीलिंग फैशन के लिए कोई गारंटी वाला फार्मूला नहीं है। हां, हम यहां पर ऐसी कुछ बातें जरूर बताएंगे। जिससे आपके लिए फैशन से आकर्षित करना आसान हो जाएगा। लेकिन ये भ्रम न पालें कि लड़की दौड़ी चली आएगी और लिपट जाएगी। जैसा कि कई परफ्यूम ब्रांड वाले अपने विज्ञापन में दिखाते हैं। अब हम अपने फैशन में करने वाले बदलाव की बात करते हैं-

ट्रेंडी ड्रेस पहनें

फैशन हर साल बदलता है। इसलिए सबसे पहले सीजन का खास ख्याल रखें। गर्मी के मौसम में ट्रेंडी समर ड्रेस पहनें। इसके अलावा सर्दी में विंटर ड्रेस पहनें। मगर पुरानी ड्रेस को अलविदा कहना होगा। आपको अपने वार्डरोब में कुछ नए कपड़े शामिल करने होंगे। जैसे- कई लड़के अपनी गर्मी की टी-शर्ट को बदलने का नाम नहीं लेते। कम से कम 3-4 साल तक उसको पहनते रहते हैं। ऐसे में उस कपड़े से नई जैसी चमक चली जाती है जिससे आप डल दिखाई देते हो। इसलिए हमेशा टॉप वियर को हर साल बदल दें।

फंकी न बनें

आप अपनी क्रश को इंप्रेस करने के लिए फंकी बनकर न जाएं। फंकी लुक गलत नहीं है। मगर बहुत कम लड़कियों को ऐसे में लुक वाले लड़के पसंद आते हैं। इसलिए अगर आप पंजाबी गानों से बहुत अधिक प्रभावित होकर खुद को फंकी न बनाएं।

आप ऐसे ड्रेस पहनें जिसमें कूल दिखें। क्लासी लुक वाले लड़के अधिक अपीलिंग होते हैं। इसलिए खुद को फंकी लुक से दूर रखें। हालांकि ये बात सेलेब अप्रूव्ड भी है। एक्टर नीरज ने भी डेटिंग के लिए ड्रेसिंग टिप्स दिए जिसमें कि फंकी ड्रेस से दूर रहने की सलाह दी।

पहनें एक शानदार घड़ी

यहां पर हम एक शानदार दिखने वाली घड़ी की बात कर रहे हैं न कि, महंगी या लग्जरी घड़ी। अगर आपकी कलाई में एक शानदार दिखने वाली घड़ी है तो ये आपके फैशन को नेक्स्ट लेवल पर लेकर जाएगी। इससे आप और भी आकर्षक दिखेंगे।

इसके लिए आप अपनी खातिर एक परफेक्ट घड़ी खरीदें, जो दिखने में अच्छी हो। आप अपने लिए मेटल वॉच या लेदर बेल्ट वाली घड़ी ले सकते हैं। मगर उनको अपनी ड्रेस की मैचिंग के हिसाब से पहनें।

जैसे- फॉर्मल लुक के साथ मेटल वॉच और कैजुअल लुक के लिए लेदर बेल्ट वाली घड़ी सही रहेगी। मगर ऐसे मेटल को पहनें जो दिखने में चमकीला हो। ताकि दूर से ही नजर आए।

चप्पल नहीं, पहनें जूते

चप्पल पहनकर कहीं भी नहीं जा सकते हैं। इस बात अच्छी तरह याद कर लें। शूज के मुकाबले चप्पल कम आकर्षक होता है। इसलिए जब बात किसी को आकर्षित करने की हो या इंप्रेशन जमाने की हो तो अपनी ड्रेस के हिसाब से परफेक्ट मैचिंग वाला शूज पहनकर जाएं।